सतना
02 जुलाई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

चलती ट्रेन में बीएसएफ के हेड-कॉन्स्टेबल को जहर दिया

काठगोदाम रेलवे स्टेशन में मिला शव; छुट्टी पर जैसलमेर से लौट रहे थे घर

सत्यपाल सिंह, जवान

हल्द्वानी,एजेंसी। उत्तराखंड के एक जवान को चलती ट्रेन में जहर दे दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल सत्यपाल सिंह के रूप में हुई है। वह हरिद्वार के रुड़की के रहने वाले थे और जैसलमेर में तैनात थे।

29 जून की सुबह ट्रेन के काठगोदाम रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जनरल डिब्बे में एक व्यक्ति बेहोश पड़ा मिला। जीआरपी ने उन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पहले पुलिस ने शव को अज्ञात समझकर कार्रवाई में ढिलाई बरती, लेकिन मंगलवार को मृतक की जेब में रखे आधार कार्ड से उनकी पहचान होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई तेज कर दी।

पुलिस के मुताबिक, सत्यपाल सिंह इन दिनों जैसलमेर में 20वीं बटालियन में तैनात थे। मेडिकल चौकी प्रभारी मनमोहन सिंह ने बताया कि सत्यपाल रविवार सुबह रुड़की आ रहे थे। जोधपुर पहुंचने पर उन्होंने बेटे को फोन कर बताया था कि वह ट्रेन से निकल रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि सफर के दौरान अज्ञात जहरखुरानों ने उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उनका सामान, मोबाइल, पर्स और दस्तावेज

राममंदिर चोरी- आरोपी अविनाश के घर मिला मंदिर का संदूक

एसआईटी को 15 दिन और मिले

अयोध्या,एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदूक बरामद किया है। उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा था। पेटीएम का क्यूआरकोड लगा था। 28 जून को हुई इस छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

उधर, मामले की जांच कर रही SIT को 15 दिन का समय और दिया गया है। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को बरामद 20 लाख नकद और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए।

भारत-पाक के 117 प्रमुख लोगों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा

बोले- दुश्मनी खत्म करें, बातचीत और रिश्ते फिर शुरू हों

नई दिल्ली/इस्लामाबाद,एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों के सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें दोनों प्रधानमंत्रियों से कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। चिट्ठी में लिखा गया है कि लगातार तनाव से दोनों देशों के आम लोगों और खासकर युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

म.प्र.-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत; जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई।

इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है।

26 राज्यों में पहुंचा मानसून, राजस्थान का इंतजार बढ़ा

मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री की। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

देश में जून में 39.8% कम बारिश

देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3एमएम के मुकाबले केवल 99.5एमएम बारिश हुई, जो 39.8% कम है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है।

नायरा का पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपए सस्ता

भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 120 और डीजल 103 का हुआ, कच्चा तेल सस्ता होना वजह

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 119.79 रुपए और डीजल 102.57 रुपए पर आ गया है।

नायरा के देश में 7 हजार पेट्रोल पंप, 7% हिस्सेदारी : नायरा एनर्जी के देश भर में 7 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। बाकी कंपनियों के एक लाख से ज्यादा हें। इस तरह बाजार में इसकी 7% हिस्सेदारी है। नायरा की नई दरें सभी जगह लागू हो गई हैं। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में लोकल टैक्स और वैल्यू-एडेड टैक्स की दरें अलग होने की वजह से हर शहर में रिटेल प्राइस में थोड़ा अंतर देखने को मिल सकता है।

ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल सस्ता होने से मिली राहत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 73 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। अमेरिका-ईरान जंग के चलते ये 100 डॉलर के पार निकल गया था। तनाव कम होने से दाम घटे हैं।

सरकारी कंपनियों ने नहीं घटाए दाम : अभी सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 183.50 रुपये की कटौती

नई दिल्ली,एजेंसी। जुलाई के पहले दिन आम लोगों को घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर तो कोई राहत नहीं मिली, लेकिन कमर्शियल उपयोगकर्ताओं (रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल आदि) के लिए अच्छी खबर है। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 174 रुपये से 183.50 रुपये तक की कटौती कर दी है।

वहीं, तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है और इसके दाम जस के तस बने हुए हैं। दिल्ली में सबसे ज्यादा राहत मिली है, जहां एक सिलिंडर पर 183.50 रुपये कम खर्च करने पड़ेंगे। लखनऊ और पटना में भी यही कटौती लागू हुई है। कोलकाता में थोड़ी कम राहत (174 रुपये) दी गई है।

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी लागू

100 की जगह 125 दिन रोजगार की गारंटी, दिहाड़ी 299 से बढ़कर 327 हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार बुधवार से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून, 2025 (VB-G RAM G) लागू कर रही है। इसके तहत अब साल में 100 की जगह 125 दिन रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। वहीं, देशभर में औसत दिहाड़ी 298.8 से बढ़कर 327.4 प्रतिदिन हो गई है। यानी औसतन 28.6 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी हुई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 95,692.31 करोड़ रुपए दिए गए हैं, ताकि मजदूरी समय पर मिल सके और काम चलते रहें। इस कानून का राष्ट्रीय शुभारंभ 2 जुलाई को आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के मुक्कावरिपल्ली गांव में होगा। इस दौरान ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड बांटे जाएंगे और लोगों को योजना की जानकारी दी जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सरकार ने पूरी तैयारी कर ली हैं। जिन लोगों के जॉब कार्ड का ई-केवाईसी हो चुका है, वे नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड मिलने तक पुराने जॉब कार्ड से ही काम कर सकेंगे।

बस-ट्रक भिड़ंत, 8 की मौत

डीएनए टेस्ट से की जाएगी पहचान

दौसा,एजेंसी। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बस आगे चल रहे ट्रेलर से भिड़ गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। एक्सीडेंट में कुल 8 लोगों की मौत हुई है। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने और 2 की सिर में चोट लगने के कारण हुई है। हादसा कोलवा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 2.30 बजे हुआ।

बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी। हादसे में 21 लोग घायल हैं। पुलिस को आशंका है कि बस ड्राइवर को झपकी आने के कारण एक्सीडेंट हुआ है।

इधर, बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट के पैकेट भरे होने और इमरजेंसी गेट नहीं खुलने को लेकर भी दावा किया जा रहा है।

विधायक बोले- इमरजेंसी गेट के कारण फंसे: दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा का दावा है कि स्लीपर बस में आग लगने के बाद पैसेंजर्स बाहर ही नहीं निकल सके। इसका बड़ा कारण है बस का इमरजेंसी गेट ही नहीं खुला।

दावा- तुरंत नहीं मिली मददः बस के पैसेंजर ने बताया कि स्लीपर हंस ट्रेवल्स की थी। मंगलवार शाम करीब 5 बजे बस ऋषिकेश से इंदौर के लिए निकली थी। एक्सीडेंट के तुरंत बाद बस में आग लग गई थी। करीब एक घंटे तक घायलों को कोई मदद नहीं मिली।

बस में सिगरेट के बॉक्स भरे थे: रेस्क्यू के लिए पहुंचे एक ग्रामीण ने बताया कि आग में फंसे पैसेंजर्स चीख-पुकार रहे थे। आग बुझाने के दौरान बस की डिक्की में सिगरेट से भरे कई बॉक्स नजर आए थे। आशंका है कि इनके कारण आग ज्यादा भड़की थी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा, परिवार के 5 लोगों की मौत

उन्नाव,एजेंसी। उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के साढ़े 4 बजे स्लीपर बस ने अर्टिगा कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चियां हैं। बस हरियाणा से बिहार जबकि कार लखनऊ से आगरा जा रही थी। यानी, दोनों गाड़ियां अलग-अलग लेन में थीं। तेज रफ्तार बस बेकाबू हो गई। डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में कार को टक्कर मारी और एक्सप्रेस-वे से नीचे गिरकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार करीब 20 फीट तक घिसटती चली गई। चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। रेस्क्यू शुरू किया। बस की खिड़की के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 65 किमी. दूर बांगरमऊ में हुआ। सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी ने बताया कि बस में 70 और कार में 9 लोग थे। कार सवार 4 और बस सवार 8 लोग घायल हैं। हादसे में भुनभुन (60), उनकी छोटी बेटी अंजू (40), बड़ी बेटी का पति विनोद (45), विनोद की बेटी दिव्या (13) और अंजू की बेटी अमृता (6) की मौत हो गई। परिवार वृंदावन दर्शन के लिए जा रहा था।

गुजरात हाईकोर्ट बोला: मैरिज सर्टिफिकेट से शादी नहीं मानी जाएगी

हिंदू विवाह के लिए रस्में जरूरी, सात फेरे के बिना सिर्फ रजिस्ट्रेशन काफी नहीं

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट बन जाने से हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता। शादी उसी स्थिति में मानी जाएगी, जब हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तय रीति-रिवाज पूरे किए गए हों। जिन समुदायों में सात फेरे की परंपरा है, वहां उनके बिना विवाह पूरा नहीं माना जाएगा।

जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस आर.टी. वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि मैरिज सर्टिफिकेट केवल पहले से हुई शादी का रिकॉर्ड होता है। वह अपने आप किसी विवाह को मान्यता नहीं देता।

मामला ब्रिटेन में रहने वाले एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा है। उसका आरोप है कि अहमदाबाद की एक महिला ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे डॉक्यूमेंट्स पर साइन लेकर फर्जी तरीके से मैरिज सर्टिफिकेट बना लिया। दोनों के बीच कभी शादी नहीं हुई।

महिला ने भी माना- शादी की रस्में नहीं हुई : सुनवाई के दौरान महिला ने फैमिली कोर्ट में माना कि शादी की कोई रस्म नहीं हुई थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि दोनों कभी पति-पत्नी की तरह साथ नहीं रहे। इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर व्यक्ति की अर्जी खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने यह आदेश रद्द करते हुए कहा कि जब शादी की जरूरी रस्में ही नहीं हुईं, तो सिर्फ रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसे हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता।

कोर्ट बोला- शादी सिर्फ कानूनी औपचारिकता नहीं : हाईकोर्ट ने हिंदू मैरिज एक्ट की धारा-7 का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू विवाह तभी माना जाएगा, जब कानून और संबंधित समुदाय की परंपरा के मुताबिक जरूरी रस्में पूरी की गई हों।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

ईरान ने लिखा- आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक; 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा।

ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि

भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

डिजिटल सुरक्षा पर केंद्र सरकार सख्त

गड़बड़ी पर व्हाट्सएप-टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया कंपनियों पर एक्शन की चेतावनी

नई दिल्ली,एजेंसी। देशभर में डिजिटल का बढ़ता क्षेत्र जहां एक ओर काम को आसान और पारदर्शी बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। वहीं दूसरी ओर इससे साइबर अपराध बढ़ने का खतरा भी सातवें आसमान पर है। कारण है कि भारत में सरकारी सेवाएं, परीक्षाएं और जन-कल्याणकारी योजनाएं लगातार डिजिटल हो रही हैं।

ऐसे में अब केंद्र सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। केंद्र ने साफ कर दिया है कि साइबर सुरक्षा अब

सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया का कोई भी डिजिटल सिस्टम हमेशा के लिए 100% सुरक्षित नहीं हो सकता।

योगी बोले:ऐसी पीढ़ी तैयार करनी है जो देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए

सहारनपुर,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से राज्यव्यापी 'स्कूल चलो अभियान-2026' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। सीएम योगी निर्धारित समय से करीब सवा घंटे की देरी से सहारनपुर पहुंचे। उनका विमान सरसावा एयरपोर्ट पर उतरा, जहां से वह सीधे कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए।

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने शिक्षा को व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा ही अच्छे नागरिक, शिक्षक, अधिकारी, चिकित्सक, इंजीनियर और जनप्रतिनिधि तैयार करती है। कार्यक्रम में मंच से जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, वह आत्मविश्वास के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके, इसी उद्देश्य से वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की गई थी।

बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पहुंचे लोग : सुबह से हो रही बारिश के बावजूद जनता रोड स्थित महाराज सिंह डिग्री कॉलेज

मैदान में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग जुटे रहे। मुख्यमंत्री का आगमन पहले सुबह 11:15 बजे प्रस्तावित था, लेकिन उनका कार्यक्रम सवा घंटा देरी से शुरू हुआ। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए।

हर बच्चे तक शिक्षा का लाभ पहुंचाना लक्ष्य सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम इसलिए सामने आए क्योंकि सरकार की नीयत साफ थी और शिक्षा के उन्नयन के लिए स्पष्ट नीति बनाई गई। बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सरकार लगातार काम कर रही है।

सीएम बोले- 2017 में सिर्फ 36 प्रतिशत स्कूल ही थे संतृप्त

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद के केवल 36 प्रतिशत विद्यालय ही आवश्यक सुविधाओं से पूरी तरह संतृप्त थे। अधिकांश स्कूलों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, फर्नीचर, पुस्तकालय, मिड-डे मील के लिए रसोईघर और चारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्थिति बदलने के लिए 'ऑपरेशन कायाकल्प' शुरू किया। इसके तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में व्यापक स्तर पर आधारभूत सुविधाएं विकसित की गईं।

फरीदाबाद हथियार चोरी मामला: 14 में से 13 आरोपियों की याचिका खारिज, केवल एक को मिली जमानत

फरीदाबाद, एजेंसी। सेक्टर आठ थाने के मालखाने से 32 हथियार चोरी के मामले में 14 आरोपितों ने अदालत में जमानत लगाई, मगर इनमें से केवल एक को जमानत मिली है। बाकी की जमानत अदालत ने यह कहते हुए खारिज कर दी कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जा सकती। इस मामले में अब तक केशव चौधरी, मोहम्मद तालीम, विपिन कुमार, अमित कुमार, सचिन, संजय सुनारिया, अमन, आशीष, दीपक, भगवान सिंह, अंकित गर्ग, पुष्पेंद्र, अजय कुमार और पवन कुमार जमानत याचिका लगा चुके हैं। इनमें से अब तक केवल पवन कुमार को जमानत मिली है। उसके ऊपर आरोप था कि संजय सुनारिया के साथ मिलकर उसने दो पिस्टल राहुल और बलवान को बेची थी। इसके लिए उसे 15 हजार रुपये कमीशन भी मिला। इसमें से 35 सौ रुपये पुलिस ने बरामद कर लिए। पुलिस ने अदालत को बताया कि किसी अन्य आरोपित के बयान में पवन कुमार का नाम नहीं आया, इसलिए अदालत ने उसे जमानत दे दी। बाकी आरोपितों ने यह कहते हुए जमानत लगाई थी कि मुकदमे में उनका नाम नहीं है। उन्हें पुलिस द्वारा गलत फंसाया गया है, उनके पास से कुछ बरामद नहीं होना, इसलिए जमानत दी जाए।

कमीशन लेकर बेचे हथियार

आरोपितों ने पवन की जमानत का भी उल्लेख अपनी जमानत याचिका में किया। वहीं पुलिस द्वारा अदालत को बताया गया कि सेक्टर आठ थाने में अप्रेंटिसशिप के लिए आए आइटीआइ के छात्र मोनू ने 32 हथियार चोरी किए थे। इनमें से 26 हथियार उसने संजय सुनारिया को बेचे। संजय सुनारिया ने 16 हथियार प्रदीप को, तीन केशव और बलवान व राहुल को एक-एक हथियार बेचे। बाकी संजय सुनारिया के पास ही रहे। इसके बाद चेन बनती चली गई। हथियार 10 से 15 हजार रुपये का कमीशन लेकर आगे से आगे बेचे गए। पुलिस का पक्ष सुनकर अदालत ने टिप्पणी की कि यह मामला गंभीर अपराध की श्रेणी में है, इसलिए फिलहाल आरोपितों को जमानत नहीं दी जा सकती। पहले आरोपितों की जमानत रद होने के बाद बाकी आरोपितों ने जमानत याचिका लगाने की हिम्मत नहीं जुटाई।

ढाई लाख रुपये तक में बिकी पिस्टल

70 हजार रुपये से लेकर ढाई लाख रुपये तक में ये हथियार बेचे गए। एक-एक पिस्टल को दो से तीन बार बेचा गया। हर बेचने वाला अपना 10 से 15 हजार रुपये का कमीशन निकालकर रखता गया। पुलिस दावा कर रही है कि अधिकतर हथियार बरामद हो चुके हैं, मगर सूत्रों का कहना है कि कुछ हथियारों की बरामदगी अभी भी बकाया

उत्तराखंड, हिमाचल और यूपी में मानसून की दस्तक, दिल्ली-एनसीआर में और कितना इंतजार

नोएडा, एजेंसी। जून का आखिरी दिन दिल्ली-एनसीआर वासियों के लिए उमस भरी गर्मी लेकर आया, लेकिन जुलाई महीने के पहले दिन ही तड़के हुई हल्की बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी है। बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सुबह से आसमान में बदली छाई हुई है। गर्मी से परेशान लोग अब हल्की वर्षा नहीं, बल्कि झमाझम मानसूनी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। विभाग ने मुताबिक, बस कुछ दिन और इंतजार के बाद मानसून की दस्तक से उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर में तीन-चार जुलाई तक दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के जिलों में मानसून पहुंच सकता है। इससे पांच जुलाई तक बारिश के प्रबल आसार हैं।

उत्तराखंड, हिमाचल और क्र में मानसून की एंट्री: मौसम वैज्ञानिक महेश पहलावत के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून ने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में दस्तक दे दी है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी मानसून सक्रिय हो चुका है। मौसम की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश, विशेषकर दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में तीन या चार जुलाई तक मानसून पहुंचने की संभावना है। इसके बाद वर्षा की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

भीषण गर्मी और उमस से मिलेगी राहत: मौसम विभाग का अनुमान है कि आज बुधवार से बादलों की सक्रियता बढ़ सकती है और हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला शुरू हो सकता है। पांच जुलाई तक रुक-रुक कर वर्षा होने के आसार बने हुए हैं। वर्षा होने के साथ ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। विभाग के अनुसार पांच जुलाई तक अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून के आगमन से भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। हालांकि शुरुआती दिनों में बारिश के दौरान जलभराव और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। इससे पहले, मंगलवार सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही और तेज धूप नहीं निकली, लेकिन हवा में नमी अधिक होने के कारण लोगों को दिनभर चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। घर से बाहर निकलने वाले लोग पसीने से तरबतर नजर आए। दोपहर के समय बाजारों, बस स्टाप और प्रमुख चौराहों पर लोग छांव और ठंडी जगहों की तलाश करते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जिससे उमस में कोई खास राहत नहीं मिली।

यीड़ा में 3181 करोड़ के निवेश से 18 हजार अधिक लोगों को मिलेगी नौकरी 8 कंपनियों को मिली जमीन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना प्राधिकरण ने मंगलवार को 3181.20 करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश के लिए आठ निवेशकों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपे। प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सीईओ राकेश कुमार सिंह ने निवेशकों को ये पत्र प्रदान किए। इस निवेश से यीडा क्षेत्र में लगभग 18,126 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

प्रमुख निवेशक और परियोजनाएं: समवर्धना मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड : सेक्टर 8डी में 50 एकड़ जमीन आवंटित। कंपनी 1,156 करोड़ रुपये का निवेश कर ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स की विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी। इससे करीब 8,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

बलार मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड : 8 एकड़ भूमि पर 300 करोड़ रुपये का निवेश। कंपनी इंटीग्रेटेड स्मार्ट इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग, अनुसंधान एवं निर्यातोन्मुख इकाई स्थापित करेगी। 1,500 रोजगार सृजन होगा। त्रिवेणी अलमीरा प्राइवेट लिमिटेड : 10 एकड़ भूमि पर 375 करोड़ रुपये का निवेश। कंपनी स्टील अलमारी और स्टील फर्नीचर निर्माण करेगी। 458 लोगों को रोजगार मिलेगा।

आनंदिता हेल्थकेयर : 8 एकड़ जमीन पर 500 करोड़ रुपये का निवेश। कंपनी मेडिकल एवं हेल्थकेयर ग्लव्स का निर्माण करेगी। 750 रोजगार सृजन होगा।

अन्य महत्वपूर्ण कंपनियां: क्रिस्पी सिटी फूड प्राइवेट लिमिटेड : 4 एकड़ पर 122 करोड़ रुपये से फूड प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग यूनिट, 4,000 रोजगार। एजी आर्गेनिका प्राइवेट लिमिटेड : 3 एकड़ पर 259.90 करोड़ रुपये से परफ्यूम, कास्मेटिक्स एवं पर्सनल केयर उत्पाद, 1,118 रोजगार। इनोवेक्स प्रोडक्ट : 3 एकड़ पर 140 करोड़ रुपये से फूड प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग यूनिट, 2,000 रोजगार। अपार इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड : 2.5 एकड़ पर 29.30 करोड़ रुपये से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, 300 रोजगार। यीडा सीईओ राकेश कुमार सिंह ने कहा कि यमुना प्राधिकरण निवेशकों के लिए पारदर्शी, त्वरित और उद्योग-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा।

रेलवे में अब नो इंग्लिश: हिंदी में काम करेंगे अफसर-कर्मचारी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे में अधिकारियों व कर्मियों को हिंदी में काम करने को कहा जाता है। इसे अधिकारी व उनके नेतृत्व में काम करने वाले अन्य कर्मी नजरअंदाज कर देते हैं। अब इस तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने सभी कार्यालयों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी में कार्य सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने विभागीय निरीक्षणों के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का भी निरीक्षण करें तथा उसका उल्लेख अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में अनिवार्य रूप से करें। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उन्होंने सभी कार्यालयों के प्रमुखों को संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के दौरान स्वयं उपस्थित रहने कहा है।

संसदीय समिति के सवाल से बचने को तैयारी: संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली सावधानीपूर्वक एवं पूर्ण रूप से भरने तथा निरीक्षण के दौरान समिति द्वारा दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों में कार्यालय प्रमुखों को नियमित रूप से उपस्थित होने का भी निर्देश दिया है। महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे की राजभाषा ई-पत्रिका 'सरस्वती संगम' के वर्ष 2026 के प्रथम अंक का विमोचन किया गया। मुख्य राजभाषा अधिकारी शिल्पी अग्रवाल ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वयं हिंदी में कार्य करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति द्वारा किए जा रहे निरीक्षणों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। बैठक में उत्तर रेलवे के सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा कारखानों से मुख्य कारखाना प्रबंधक शामिल हुए। उपमहाप्रबंधक पुनीत सिंह ने बैठक का संचालन किया।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे, रावलकोट में प्रदर्शनकारियों ने दी चेतावनी

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी।

आजादी मिलने तक जन विद्रोह नहीं थमेगा: पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है। पीओके प्रवासी विद्रोह के समर्थन में अलग-अलग देशों में पाकिस्तानी दूतावासों और उच्चायोगों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि यह विद्रोह मुजफ्फराबाद समेत सभी हिस्सों के पाकिस्तानी कब्जे से आजादी मिलने से पहले नहीं थमेगा।

भारत के इस कदम से घुटनों पर आया पाकिस्तान

दुनिया के सामने क्या लगाई गुहार

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद से पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है और अब वह दुनिया के सामने सिंधु जल समझौता लागू कराने की गुहार लगा रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। इस सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दिखाते हुए कहा कि अगर सिंधु जल समझौता विफल हो जाता है तो कागजों पर बनी कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह जल समझौता स्थगित कर दिया था।

सिंधु जल समझौता स्थगित रहा तो पाकिस्तान की बढ़ेगी परेशानी: पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था और बिजली उत्पादन सिंधु नदी के जल पर काफी हद तक निर्भर है। सिंधु जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान को नदियों के जल की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे पाकिस्तान को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा सिर्फ जल बंटवारे की व्यवस्था नहीं है बल्कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सहयोग का महत्वपूर्ण साधन भी है।

पाकिस्तान ने आयोजित किया वैश्विक सम्मेलन: पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के मुखिया और सांसद बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल समझौता पाकिस्तान पर कोई एहसान नहीं था। पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर बार-बार सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठा रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को हुए इस वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। इस पहल के जरिए पाकिस्तान सिंधु जल समझौते पर अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी नेताओं ने दिखाई गीदड़भभकी: पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि यह अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार है। इस सम्मेलन में पाकिस्तानी सीनेटर मुसादिक मलिक ने कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत दोनों परमाणु शक्तियों के बीच तीन युद्ध हुए हैं।

अगर यह संधि कायम नहीं रहती है तो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद की कागजों पर कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। मलिक ने सवाल उठाया कि अगर कोई शक्तिशाली देश एकतरफा तरीके से अंतरराष्ट्रीय संधियों का निलंबन करता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय संधियों की विश्ववसनीयता कितनी रह जाएगी।

इशाक डार ने कहा कि साझा जलक्षेत्र को कभी भी हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसे देशों के बीच एक सेतु बने रहना चाहिए। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि अगर इस संधि के तहत पाकिस्तान को उसके अधिकारों से वंचित रखा गया तो इससे दक्षिण एशिया में दो अरब लोगों को साझा हित प्रभावित होंगे।

सिंधु जल समझौता क्या है: सिंधु जल समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी के जल बंटवारे को लेकर हुआ समझौता है। इस पर 19 सितंबर 1960 में कराची में हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते में विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। सिंधु नदी समझौता दुनिया के सबसे बड़े सीमा पार नदी बेसिनों में से एक है। इस समझौते पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे।

2 जुलाई से टोल टैक्स फ्री होगा गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड दिल्ली-एनसीआर के हजारों लोगों को मिलेगा फायदा

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के हजारों वाहन चालकों को 2 जुलाई से बड़ी राहत मिल सकती है। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूली की समयसीमा खत्म हो रही है। ऐसे में इस टोल प्लाजा का संचालन दो जुलाई से बंद किया जा सकता है। बीते दिनों बंधवाड़ी में आयोजित महापंचायत में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने ये जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि बंधवाड़ी गांव में गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर स्थित टोल प्लाजा को खत्म किया जाएगा। इस कदम से रोजाना गुरुग्राम, फरीदाबाद और एनसीआर के अन्य इलाकों के हजारों लोगों को फायदा होगा। उल्लेखनीय है कि 21 जून दिन रविवार को बंधवाड़ी टोल प्लाजा, पाली क्रेशर जोन और बल्लभगढ़-सोहना रोड के टोल टैक्स को हटाने की डिमांड को लेकर महापंचायत हुई थी। इसमें इलाके से बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। साथ ही लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुरेंद्र सिंह टोल कर्मचारियों के साथ इसमें शामिल हुए थे।

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी: आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

किस पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं ट्रंप: यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं।

साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे।

सीनेट की किस सीट पर रहेगा फोकस

डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा।

केन पैक्सटन के विवाद भी चर्चा में

केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं। उन्होंने ट्रंप के समर्थन से इस वर्ष रिपब्लिकन प्राइमरी में लंबे समय से सीनेटर रहे जॉन कॉर्निन को हराया था। हालांकि, रिपब्लिकन रणनीतिकारों को आशंका है कि पैक्सटन से जुड़े पुराने विवाद जिनमें विवाहेतर संबंधों के आरोप, महाभियोग और सिक्योरिटीज़ फ्रॉड का मामला शामिल है (हालांकि उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया) उनकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं और आसान मानी जा रही सीट को मुश्किल बना सकते हैं।

री-डिस्ट्रिक्टिंग रणनीति से भी जुड़ा आयोजन

यह कन्वेंशन ट्रंप की उस री-डिस्ट्रिक्टिंग (चुनावी क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण) रणनीति को भी रेखांकित करता है, जिसकी शुरुआत टेक्सास से हुई थी। इसका उद्देश्य सर्दियों में होने वाले चुनावों में रिपब्लिकन के लिए अधिक सीटें सुनिश्चित करना है। रिपब्लिकन ने पहले ही शुरू कर दी थी तैयारी रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने इस आयोजन की तैयारी वर्ष की शुरुआत में ही शुरू कर दी थी। जनवरी में हुई बैठक में पार्टी ने राष्ट्रपति पद के नामांकन सम्मेलन से जुड़े नियमों में संशोधन कर इस तरह का राष्ट्रीय आयोजन कराने का रास्ता साफ कर दिया था। डेमोक्रेटिक पार्टी ने भी मध्यावधी चुनावों से पहले इसी तरह का आयोजन करने पर विचार किया था, लेकिन फिलहाल उस योजना को स्थगित कर दिया।

चार राज्यों की पुलिस ने सीमा सुरक्षा के लिए बनाई संयुक्त रणनीति, हर रात होगी गश्त अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमाओं पर अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर में चार राज्यों की इंटर-स्टेट सीमावर्ती पुलिस बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्य प्रदेश के सिंगरौली, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज, झारखंड के गढ़वा तथा उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने भाग लिया बैठक का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में आपसी समन्वय बढ़ाकर उन अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना था जो एक राज्य में अपराध कर दूसरे राज्य की सीमा में शरण लेने का प्रयास करते हैं अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाने के लिए संयुक्त रणनीति तैयार की और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। निर्णय के छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सिंगरौली पुलिस अपनी साझा सीमाओं पर प्रतिदिन रात्रि गश्त करेगी इसी प्रकार उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमाओं पर भी संयुक्त नाइट पेट्रोलिंग की जाएगी इसके साथ ही चारों राज्यों की पुलिस सीमावर्ती क्षेत्रों में होने वाली आपराधिक घटनाओं की जानकारी नियमित रूप से एक-दूसरे के साथ साझा करेगी ताकि किसी भी वारदात के बाद तत्काल कार्रवाई की जा सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि कोई अपराधी एक राज्य में वारदात कर दूसरे राज्य की सीमा में प्रवेश करता है तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित राज्य की पुलिस को उपलब्ध कराई जाएगी इससे नाकेबंदी कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने में सहायता मिलेगी मुख्य मार्गों के अलावा जंगल और ग्रामीण क्षेत्रों के उन संवेदनशील रास्तों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी जिनका उपयोग अपराधी अक्सर पुलिस से बचने के लिए करते हैं ऐसे मार्गों की पहचान कर वहां

निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया गया नशीले पदार्थों, अवैध शराब और हथियारों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए चारों राज्यों की संयुक्त स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) गठित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई प्रस्तावित एसटीएफ सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करने, संयुक्त कार्रवाई करने तथा अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने का कार्य करेगी इसके अलावा स्थायी वारंटियों और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संयुक्त चेकिंग अभियान चलाने पर भी सहमति बनी।

बैठक में साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए ऑनलाइन ठगी और अंतरराज्यीय साइबर अपराधों से निपटने के लिए भी बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया अधिकारियों ने निर्णय लिया कि साइबर अपराधियों की जानकारी सक्रिय गिरोहों और संदिग्ध गतिविधियों का डेटा आपस में साझा किया जाएगा साथ ही आगामी त्योहारों, विशेष अभियानों और संवेदनशील अवसरों पर सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर निगरानी बढ़ाई जाएगी निगरानीशुदा बदमाशों और सक्रिय अपराधियों की सूची भी चारों राज्यों के बीच साझा की जाएगी।

सीधी कन्या महाविद्यालय में छात्राओं का प्रदर्शन, प्राचार्य का घेराव, पेयजल, लाइब्रेरी और सुरक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी कन्या महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं की कमी से नाराज छात्राओं ने बुधवार को प्राचार्य कक्ष का घेराव कर प्रदर्शन किया छात्राओं ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय में लंबे समय से लाइब्रेरी बंद है पेयजल व्यवस्था बदहाल है विद्युत सुविधाएं खराब हैं और सुरक्षा व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जल्द समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा छात्राओं का कहना है कि महाविद्यालय की लाइब्रेरी एक वर्ष से अधिक समय से प्रभावी रूप से संचालित नहीं हो रही है उनका आरोप है कि पहचान पत्र (आईडी कार्ड) जारी नहीं होने के कारण उन्हें लाइब्रेरी में प्रवेश नहीं दिया जाता जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली छात्राओं को विशेष कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने पेयजल व्यवस्था पर भी सवाल उठाए उनका कहना था कि कॉलेज का वाटर कूलर लंबे समय से खराब है जिसके कारण पानी दूषित हो जाता है और उसमें कीड़े दिखाई देते हैं मजबूरी में छात्राओं को वही पानी पीना पड़ रहा है जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ रहे हैं विद्युत व्यवस्था को लेकर भी छात्राओं ने नाराजगी जताई उनका आरोप है कि कई कक्षाओं के पंखे ठीक से काम नहीं करते छात्रा कोमल सिंह ने दावा किया कि कुछ समय पहले एक पंखा एक छात्रा के सिर पर गिर गया था लेकिन इस घटना को सार्वजनिक नहीं होने दिया गया इसके अलावा परिसर में लगे अधिकांश सीसीटीवी कैमरे खराब होने और कॉलेज के बाहर असामाजिक तत्वों की मौजूदगी के कारण छात्राओं ने सुरक्षा को लेकर भी चिंता व्यक्त की एनएसयूआई के प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार के नेतृत्व में करीब 200 छात्राओं ने प्रदर्शन करते हुए मांग की कि परीक्षा से पहले आईडी कार्ड जारी किए जाएं और सभी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त की जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. नामदेव ने कहा कि छात्राओं द्वारा उठाई गई समस्याओं पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी और उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा उन्होंने परीक्षा में हुई देरी के संबंध में स्पष्ट किया कि परीक्षा आयोजित करना विश्वविद्यालय का विषय है तथा इस बार विश्वविद्यालय स्तर पर प्रक्रियाओं में विलंब होने के कारण परीक्षाएं समय पर नहीं हो सकीं।

सिंगरौली में स्कूल वाहनों की सघन जांच, 5 ओवरलोड वाहन जब्त; 32 पर चालानी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने बुधवार को विभिन्न स्कूलों के पास और प्रमुख मार्गों पर स्कूल बसों, वैन और ऑटो रिक्शा सहित कुल 80 वाहनों की सघन जांच की इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 32 के चालान काटे गए जबकि 5 ओवरलोड वाहनों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कुछ वाहनों में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं पाया गया तो कई में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद मिले इसके अलावा कुछ वाहनों में फर्स्ट एड बॉक्स भी उपलब्ध नहीं था इन खामियों के चलते संबंधित वाहनों पर 24,900 रुपये का जुर्माना वसूला गया। ओवरलोडिंग के मामलों में पाया गया कि कुछ ऑटो रिक्शा, जिनकी क्षमता केवल 3 बच्चों की उनमें 7 से 8 बच्चों को बैठाया गया था। ऐसे वाहनों को मौके पर ही जब्त कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है पुलिस ने स्पष्ट किया कि केवल उपकरणों की मौजूदगी नहीं बल्कि उनका सही ढंग से कार्यरत होना भी अनिवार्य है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और स्कूल प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए कि बच्चों को क्षमता से अधिक न बैठाया जाए और चलती गाड़ियों में बच्चों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति बिल्कुल न दी जाए साथ ही स्कूलों को वाहनों का नियमित मेंटेनेंस कराने और सभी दस्तावेज अद्यतन रखने के लिए भी निर्देशित किया गया है पुलिस ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों को केवल सुरक्षित और नियमों का पालन करने वाले वाहनों से ही स्कूल भेजें यदि किसी वाहन में ओवरलोडिंग या सुरक्षा मानकों की अनदेखी दिखाई दे तो इसकी तुरंत सूचना पुलिस को दें यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और मालिकों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सिंगरौली के मल्हार पार्क में खुले बिजली बॉक्स बने खतरा, बारिश में करंट फैलने की आशंका; नगर निगम करेगा जांच

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न स्थित मल्हार पार्क में खुले और क्षतिग्रस्त बिजली के एमसीबी बॉक्स लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गए हैं मानसून के दौरान इन बॉक्सों में पानी भरने से करंट फैलने और हादसे की आशंका जताई जा रही है स्थानीय लोगों ने नगर निगम से तत्काल मरम्मत कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है जानकारी के अनुसार करीब दो वर्ष पहले पार्क में रोशनी की बेहतर व्यवस्था के लिए लाइटिंग सिस्टम लगाया गया था।

इसके संचालन के लिए जमीन के स्तर पर एमसीबी स्विच बॉक्स स्थापित किए गए थे समय के साथ कई बॉक्सों के ढक्कन टूट गए हैं जिससे बिजली के उपकरण खुले पड़े हैं और वे बारिश के दौरान जोखिम पैदा कर रहे हैं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मल्हार पार्क में प्रतिदिन सुबह और शाम बड़ी संख्या में बच्चे, बुजुर्ग तथा मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग आते हैं ऐसे में खुले बिजली बॉक्स किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं लोगों ने आशंका जताई है कि बारिश का पानी बॉक्सों में भरने से करंट फैल सकता है जिससे जान-माल का नुकसान होने का खतरा है।

इस मामले में नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान ने कहा कि उन्हें इस समस्या की पूर्व जानकारी नहीं थी।उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कराया जाएगा और यदि जांच में कोई खामी पाई जाती है तो उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाएगा। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि बारिश के मौसम को देखते हुए खुले और क्षतिग्रस्त बिजली बॉक्सों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें सुरक्षित बनाया जाए ताकि पार्क में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके।

कलेक्ट्रेट में रील बनाकर विवादों में आई युवती ने मांगी माफी, बोली- गलती हुई, दोबारा ऐसा नहीं करूंगी

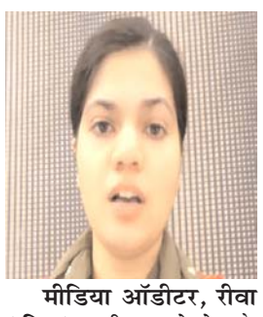

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवादों में आई युवती ने अब सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है बुधवार शाम सामने आए एक वीडियो में युवती ने अपने कृत्य पर खेद जताते हुए कहा कि उससे गलती हुई है और भविष्य में वह इस प्रकार की गलती दोबारा नहीं करेगी युवती ने कहा कि उसका उद्देश्य किसी की भावनाओं को आहत करना या प्रशासनिक व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाना नहीं था उसने स्वीकार किया कि बिना सोचे-समझे रील बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करना उसकी भूल थी उसने सभी से क्षमा मांगते हुए भरोसा दिलाया कि आगे से वह इस तरह की गतिविधियों से दूर रहेगी। दरअसल कुछ दिन पहले रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में बनाई गई एक रील सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जानकारी के अनुसार यह रील सभागार के भीतर खींची गई तस्वीरों को जोड़कर तैयार की गई थी जिसे 'चंबल के डाकू' गीत के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया। मोहन सभागार जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण सभाकक्ष है, जहां समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठकें और प्रशासनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं सामान्य परिस्थितियों में यहां आम लोगों की आवाजाही सीमित रहती है ऐसे में बिना अनुमति सभागार के भीतर पहुंचकर फोटो लेना और रील बनाना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने प्रशासन से पूछा कि युवती सभागार के भीतर कैसे पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था में यह चूक कैसे हुई। कई लोगों ने सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की मांग भी की।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने किया आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और सेवाएं सुधारने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बुधवार को सीधी शहर के वार्ड क्रमांक 7 एवं 15 स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की समीक्षा की निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, पोषण सेवाओं, शिक्षण गतिविधियों, स्वच्छता एवं उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए निरीक्षण में कुछ केंद्रों पर बच्चों की उपस्थिति अपेक्षित स्तर से कम पाए जाने पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि अभिभावकों को आंगनवाड़ी केंद्रों के महत्व के बारे में जागरूक किया जाए और बच्चों को नियमित रूप से केंद्र भेजने के लिए प्रेरित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास की आधारशिला हैं इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र बच्चा नियमित रूप से केंद्र पहुंचे और उसे शासन की सभी निर्धारित सेवाओं का लाभ समय पर मिले उन्होंने पोषण आहार, प्रारंभिक बाल शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं पोषण परामर्श जैसी सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों में स्वच्छता, पेयजल, बैठने की उचित व्यवस्था, खेल एवं शिक्षण सामग्री तथा पोषण गतिविधियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था मजबूत की जाए कलेक्टर ने यह भी कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं समुदाय के साथ सतत संपर्क बनाए रखें तथा गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं और छोटे बच्चों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

कलेक्ट्रेट परिसर में 'वंदे मातरम' एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन, अधिकारियों-कर्मचारियों ने दिखाई राष्ट्रभक्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जुलाई माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस के अवसर पर बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर, सीधी में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' एवं राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन गरिमामय एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में संपन्न हुआ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमान सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी तथा अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय की उपस्थिति में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का गायन किया इस दौरान सभी ने राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा, सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे सभी ने अनुशासन और उत्साह के साथ सामूहिक गायन में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर शासकीय कार्यालयों में 'वंदे मातरम' एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन आयोजित किया जाता इस आयोजन का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राष्ट्रीय चेतना, देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ कर सकें।

सीधी जिले के 349 हितग्राहियों को संबल योजना में 7.71 करोड़ की सहायता, मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से राशि अंतरित की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के 16,754 श्रमिक परिवारों के बैंक खातों में 365 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की इसी क्रम में सीधी जिले के 349 हितग्राहियों के खातों में कुल 7 करोड़ 71 लाख रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई जिला मुख्यालय स्थित

कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में श्रम निरीक्षक इंद्रजीत सिंह नेताम, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह सहित संबल योजना के हितग्राही वर्चुअल माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े और उन्होंने लाभ अंतरण की प्रक्रिया को देखा। मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना 2.0 के तहत असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवारों को विभिन्न परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है इस योजना के माध्यम से राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित किए जाने से प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित हुई है सीधी जिले में जनपद पंचायत सीधी के 87 हितग्राहियों को 1.89 करोड़ रुपये, सिहावल के 72 हितग्राहियों को 1.58 करोड़ रुपये, रामपुर नैकिन के 83 हितग्राहियों को 1.88 करोड़ रुपये, मझौली के 35 हितग्राहियों को 76 लाख रुपये तथा कुसमी जनपद के 49 हितग्राहियों को 1.14 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार नगर पालिका सीधी के 9 हितग्राहियों को 18 लाख रुपये, नगर पंचायत चुरहट के 1 हितग्राही को 2 लाख रुपये, नगर पंचायत मझौली के 10 हितग्राहियों को 20 लाख रुपये तथा नगर परिषद रामपुर नैकिन के 3 हितग्राहियों को 6 लाख रुपये की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की गई जिला प्रशासन ने बताया कि मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना का उद्देश्य असंगठित श्रमिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल उपलब्ध कराना है योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत मिल रही है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और वे कठिनाइयों से उबर पा रहे हैं।

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

संपादकीय

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की 'गैर-कानूनी' हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है!

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ़ने से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

बेड पर खामोश, डिजिटल चैटिंग पर बोल्ड! क्यों बदल रहा है प्यार करने का तरीका?

नमिता जोशी

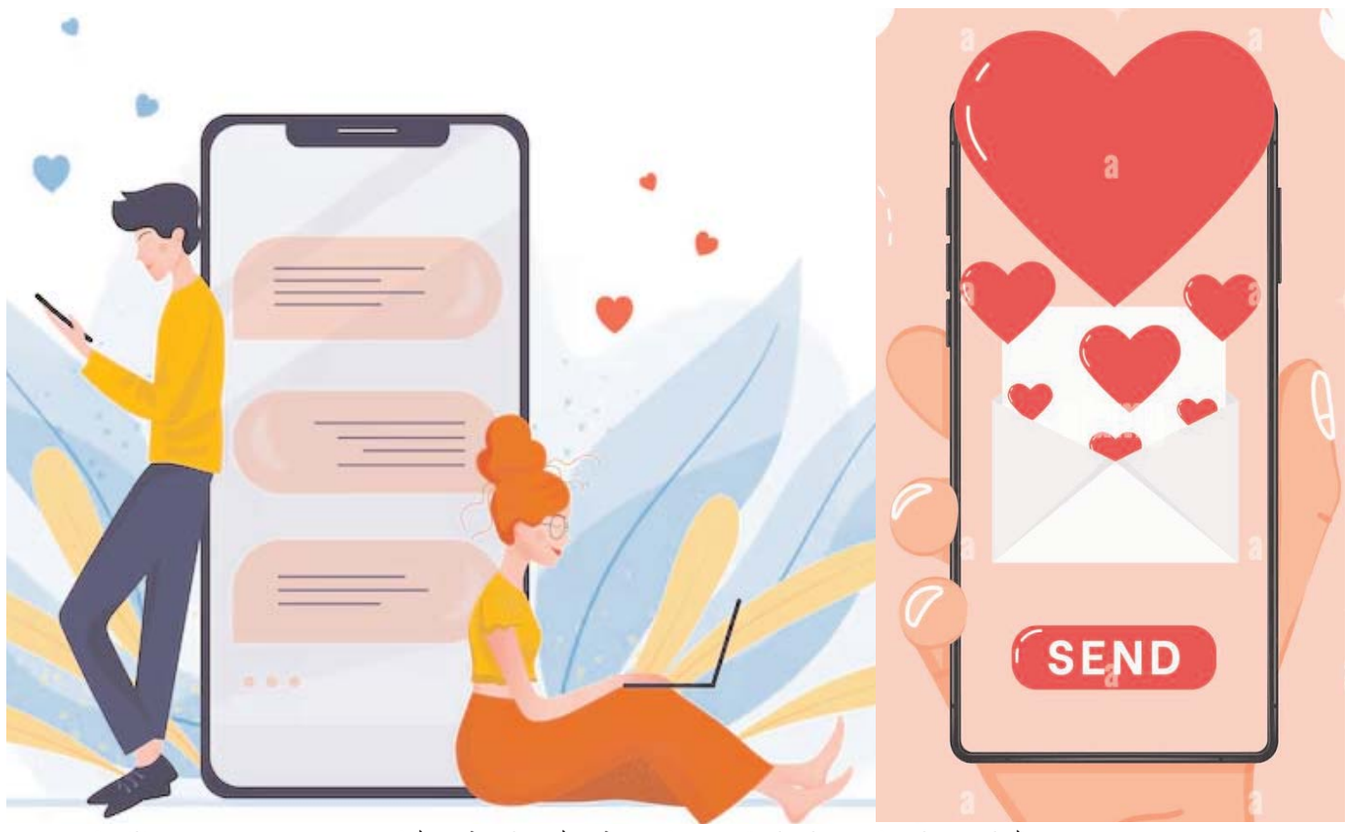

जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते हैं और फिर सेंड करते हैं। कहते हैं प्यार अंधा होता है, लेकिन आजकल का प्यार अंधा होने के साथ-साथ थोड़ा अंगूठा प्रधान भी हो गया है। वह दौर गया जब दिल और जिस्म की बात जुबान पर आते-आते रुक जाती थी। आज चाहे भावनाओं का इजहार हो या शारीरिक इच्छाओं का, सब कुछ जुबान तक आने से पहले सीधे अंगूठे से होते हुए व्हाट्सऐप की स्क्रीन पर टाइप हो जाता है। चौंकिए मत, यह कोई फिल्मी जुमला नहीं, बल्कि इंटरनेट पर मौजूद दर्जनों मनोवैज्ञानिक रिसर्च और समाजशास्त्रीय अध्ययनों का कड़वा या कहें कि मीठा सच है।

अक्सर माना जाता है कि कपल्स जब एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं यानी जब वे बेड पर साथ होते हैं, तब उनके बीच प्यार और शारीरिक आकर्षण का इजहार पूरे परवान पर होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट है। आज के दौर के कपल्स बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेटे हुए जितने इमोशनली और फिजिकली ब्लॉक महसूस करते हैं, फोन की स्क्रीन पर वे उतने ही बड़े शायर और बोल्ड रोमियो बन जाते हैं। जो बातें या जो फैंटेसीज़ वे एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर बेड पर नहीं कह पाते, उन्हें वे इमोजी, सेक्स्टिंग और हॉट मैसेजेस के सहारे बड़े धड़ल्ले से लिख भेजते हैं।

ऑनलाइन रहता है कंट्रोल

दरअसल जब आप आमने-सामने होते हैं, तो जो मुंह से निकल गया, सो निकल गया। उसे आप डिलीट या एडिट नहीं कर सकते। बेड पर रोमांटिक या हॉट होने के चक्कर में कई बार मुंह से कोई ऐसी अजीब बात निकल जाती है कि पूरे मूड का ही बंटाधार हो जाता है। इसके उलट, जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते हैं और फिर सेंड करते हैं। यानी आप अपनी कामुकता और प्यार का बेस्ट, सबसे पॉलिश्ड वर्जन सामने वाले को परोसते हैं। यह एडिटिंग की सुविधा बिस्तर पर उपलब्ध नहीं होती। वहां तो जो है, सो ऑन-एयर लाइव है!

तो आखिर ऐसा क्यों है कि बेडरूम की असली गर्माहट पर स्मार्टफोन की डिजिटल स्क्रीन भारी पड़ रही है? आइए, विज्ञान और रोजमर्रा के जीवन के चश्मे से इस डिजिटल लव लाइफ का पूरा पोस्टमार्टम करते हैं। मनोविज्ञान में एक बेहद मशहूर टर्म है ऑनलाइन डिसइनहिबिशन इफेक्ट। आसान भाषा में कहें तो, जब हमारे और सामने वाले के बीच एक कांच की स्क्रीन आ जाती है, तो हमारे अंदर की झिझक, डर, शर्म और लोक-लाज अचानक गायब हो जाती है।

डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए सुरक्षा कवच

डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए एक सुरक्षा कवच (शील्ड ऑफ वल्नरेबिलिटी) का काम करती है। बिस्तर पर जब दो लोग साथ होते हैं, तो वहां आई कॉन्टैक्ट और शारीरिक मौजूदगी होती है। सामने वाले के चेहरे के हाव-भाव, उसकी सांसें एक तरह का अदृश्य दबाव बनाती हैं। हमें डर होता है कि अगर हमने अपने दिल की कोई गहरी बात कही या अपनी कोई शारीरिक इच्छा जताई, तो पार्टनर का तुरंत रिएक्शन क्या होगा? कहीं वह हमें जज न करने लगे? कहीं वह रिजेक्ट न कर दे? लेकिन फोन पर आपके पास एक अदृश्य ढाल होती है। इस विषय पर जर्नल ऑफ कंप्यूटर-मीडिएटेड में छपी एक रिसर्च साफ बताती है कि टेक्स्टिंग या सेक्स्टिंग कपल्स को अपनी असुरक्षा (वल्नरेबिलिटीज) को छिपाने में मदद करती है। जो बातें वे बेड पर आमने-सामने बैठकर झिझकने के कारण नहीं बोल पाते, उन्हें वे स्क्रीन के पीछे छिपकर आसानी से लिख देते हैं।

क्या कहती है रिसर्च

जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना (फिजिकल एक्सप्रेशन) भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्स्टिंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्स्टिंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्स्टिंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज़, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

उन्हें लगता है कि सीधे मुंह ऐसी बातें बोलना उनके पार्टनर को अजीब लग सकता है। लेकिन टेक्स्ट मैसेज पर वे अचानक बोल्ड हो जाते हैं। फोन पर वे अपनी हर दबी हुई शारीरिक इच्छा को बिना किसी हिचक के शब्दों में पिरो देते हैं। यह जो टेक्स्ट पर फिजिकल लव का खुलकर इजहार है, वह बेडरूम की पारंपरिक झिझक को तोड़ देता है। लोग स्क्रीन पर जितने सेक्शुअली एक्सप्रेसिव हैं, बेड पर लाइट ऑफ होते ही उतने ही पारंपरिक या शांत हो जाते हैं। कई बार लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में एक-दूसरे पर इम्प्रेशन झाड़ने के लिए सेक्स्टिंग करते हैं, भले ही सामने आने पर उनकी बत्ती गुल क्यों न हो जाए। जो लोग सीधे मुंह दो सीधे शब्द नहीं बोल पाते, वे टेक्स्ट पर कामदेव बन जाते हैं। इसके पीछे काम करता है प्रसिद्ध समाजशास्त्री वाल्थर द्वारा दिया गया हाइपरपर्सनल मॉडल। यह थ्योरी बताती है कि टेक्स्ट या डिजिटल मीडिया पर हम खुद को ज्यादा बेहतर, आकर्षक, सिडक्टिव और परफेक्ट तरीके से पेश कर सकते हैं।

इस डिजिटल रोमांस पर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने एक बेहद दिलचस्प स्टडी की है। मशहूर शोधकर्ता जेफ्री हैनकॉक के अनुसार, डिजिटल मीडिया पर मैसेज भेजते वक्त लोग अक्सर आमने-सामने की तुलना में अधिक गहरी और हाइपर-पर्सनल बातचीत करते हैं। इसका कारण यह है कि लिखते समय हमारे पास सोचने, समझने और सही शब्दों को चुनने का पर्याप्त समय होता है, जिसे रिफ्लेक्शन टाइम कहते हैं। बिस्तर पर लेटे हुए अक्सर कपल्स के बीच एक अजीब-सा सन्नाटा पसर जाता है। दिनभर के काम की थकान, ऑफिस का स्ट्रेस और घरेलू चिंताएं दिमाग में बैकग्राउंड म्यूजिक की तरह बज रही होती हैं।

ऐसे में फिजिकल होने का मूड बनाना भी एक भारी काम लगने लगता है। लेकिन फोन की दुनिया रंग-बिरंगी है। वहां अगर आपके पास शब्द नहीं भी हैं, तो भी आपके पास हॉट जीआईएफ, डर्टी टॉक्स, वीडियोज और इमोजी की पूरी बारात है। कपल्स को लगता है कि टेक्स्ट पर इन विजुअल्स का इस्तेमाल करके वे अपने बीच की शारीरिक और मानसिक दूरी को ज्यादा मसालेदार तरीके से पाट पाते हैं।

एक और कड़वा सच यह है कि बेडरूम में कपल्स के ऊपर बॉडी इमेज और परफॉर्मेंस का एक अनकहा शारीरिक दबाव होता है। पेट थोड़ा बाहर निकला है, बाल बिखरे हुए हैं, चेहरे पर थकान है या स्ट्रेस के कारण मूड नहीं बन रहा, ये सब चीजें इंसान को अपने ही शरीर को लेकर कॉन्शस कर देती हैं। जब आप खुद को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं होते, तो आप बेड पर खुलकर न तो प्यार जता पाते हैं और न ही शारीरिक रूप से पूरी तरह इन्वॉल्व हो पाते हैं। दूसरी ओर, जब आप ऑफिस की कैब में बैठे हों, या घर के किसी दूसरे कोने में हों, तब आप कैसे दिख रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब्जी के दाग लगे टी-शर्ट पहने हुए भी दुनिया के सबसे सिडक्टिव और रोमांटिक इंसान की तरह टेक्स्ट टाइप कर सकते हैं। वहां सिर्फ आपकी कल्पनाएं और भावनाएं यात्रा करती हैं, आपका असल शरीर नहीं। इसलिए, शरीर के बंधनों और कमियों से मुक्त होकर कल्पनाओं का वह अंगूठा ज्यादा बेहतर तरीके से फिजिकल लव एक्सप्रेस कर पाता है।

लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस डिजिटल परफेक्शन के चक्कर में कहीं हम अपनी असल दुनिया की शारीरिक और मानसिक अंतरंगता को खो तो नहीं रहे? मैसेज पर इंटरनेट के वाइल्ड लवर बन जाना और बेड पर आते ही स्मार्टफोन की स्क्रीन स्क्रॉल करने लगना, यह आधुनिक रिश्तों की एक बड़ी विडंबना बन चुका है। स्क्रीन पर होने वाली सेक्स्टिंग और प्यार बेशक खूबसूरत, उत्तेजक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, लेकिन जब तक वह बोल्डनेस फोन से बाहर निकलकर बेड पर एक-दूसरे को छूने, आंखों में देखने और असल जिंदगी में बिना झिझक के अपनी इच्छाएं पूरी करने में नहीं बदलेगी, तब तक रिश्ता सिर्फ एक डिजिटल भ्रम ही रहेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आगे आएं होनहार बच्चे

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है।

डॉ. निवेदिता शर्मा

स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं। वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जो पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भ राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है। वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए

हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती।

मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए।

अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो।

इस पुरस्कार की सबसे महत्वपूर्ण और अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी योग्य बच्चे का नामांकन उसके माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन या कोई भी जिम्मेदार नागरिक कर सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई बच्चा स्वयं को पात्र मानता है, तो वह स्व-नामांकन भी कर सकता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि किसी प्रतिभाशाली बच्चे की उपलब्धि सिर्फ जानकारी के अभाव में छूटना नहीं चाहिए।

पात्रता की दृष्टि से आवेदक भारतीय नागरिक और भारत का निवासी होना चाहिए। 31 जुलाई 2026 को उसकी आयु 5 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उपलब्धि या कार्य पिछले दो वर्षों के भीतर का होना चाहिए। आवेदन के साथ निर्धारित दस्तावेज, हाल का फोटो तथा उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण नामांकन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन पोर्टल https//awards.gov.in पर जमा करना होगा। यहां यह भी समझें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वास्तव में उस विश्वास का प्रतीक है कि राष्ट्र अपने बच्चों की प्रतिभा, संवेदनशीलता, साहस और नवाचार को देख रहा है, समझ रहा है और उसका सम्मान कर रहा है। यह सम्मान उन बच्चों को नई पहचान देता है और लाखों अन्य बच्चों को यह संदेश देता है कि सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी किसी भी उम्र में राष्ट्रीय गौरव का कारण बन सकती है। मध्य प्रदेश के बच्चों के लिए यह अवसर प्रदेश की नई पीढ़ी की प्रतिभा को देश के सामने प्रस्तुत करने का भी है। यदि आपके आसपास कोई ऐसा बच्चा है जिसने अपनी उम्र से कहीं बड़ा कार्य किया है, तो उसकी कहानी राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का समय यही है। याद रखिए; सही समय पर किया गया नामांकन किसी बच्चे के जीवन की दिशा बदल सकता है और उसे देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा बना सकता है। संभव है, इस वर्ष राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने वाले असाधारण बच्चों में मध्य प्रदेश के भी हमारे कई होनहार बालक या बालिका भी शामिल हों, बस आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को पहचानने और समय पर आगे लाने की, जो कार्य आप सभी को अपने आसपास के बच्चों की प्रतिभा को ध्यान में रखकर करना है।

मानसून में तीन महीने बंद रहेगा सतपुड़ा का कोर एरिया, 1 अक्टूबर से फिर शुरू होगी जंगल सफारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मानसून के आगमन के साथ ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के कोर क्षेत्र को 1 जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है मढ़ई और चूरना कोर क्षेत्र में अब 30 सितंबर तक जंगल सफारी पूरी तरह बंद रहेगी 30 जून को इस सत्र की अंतिम सफारी आयोजित की गई जिसके बाद सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए पर्यटकों के लिए कोर क्षेत्र 1 अक्टूबर से दोबारा खोल दिया जाएगा बारिश के दौरान बाघों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने निगरानी व्यवस्था और सख्त कर दी है जिन क्षेत्रों में बारिश के कारण जलभराव होता है वहां वन अमला नाव के माध्यम से पेट्रोलिंग करेगा। वहीं घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में हाथियों की मदद से नियमित गश्त की जाएगी ताकि शिकार जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके एसटीआर की डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम के अनुसार तीन महीने के दौरान 500 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी जंगल में निगरानी की जिम्मेदारी निभाएंगे सभी बीटों में पैदल गश्त बढ़ाई जाएगी तथा बाघों की अधिक आवाजाही वाले संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी आवश्यकता पड़ने पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। हालांकि कोर क्षेत्र बंद रहेगा लेकिन सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में पर्यटन गतिविधियां पूरे वर्ष जारी रहेंगी यहां पर्यटक दिन के साथ-साथ नाइट सफारी का भी आनंद ले सकेंगे वर्तमान में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व 70 से अधिक बाघों सहित पैंथर, भालू, बायसन, सांभर, चीतल, नीलगाय और बारहसिंगा जैसे अनेक वन्यजीवों का सुरक्षित आवास है।

चिरमिरी में कथित मिलावटी शराब की शिकायत पर जांच, पूर्व महापौर ने उठाए सवाल, आबकारी विभाग ने नहीं पाई गड़बड़ी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी शहर में कथित रूप से मिलावटी शराब की बिक्री के आरोपों को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कर पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है शिकायत के बाद आबकारी विभाग ने शहर की विभिन्न शराब दुकानों पर जांच अभियान चलाया हालांकि प्रारंभिक जांच में किसी भी दुकान या भंडारण स्थल पर मिलावटी शराब मिलने की पुष्टि नहीं हुई। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होने के बाद आबकारी विभाग की टीम ने डोमनहिल, गोदरीपारा, छोटा बाजार सहित शहर की विभिन्न शराब दुकानों का निरीक्षण किया विभागीय अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध शराब, स्टॉक और भंडारण व्यवस्था की जांच की, लेकिन किसी भी स्थान पर शराब में मिलावट या अन्य अनियमितता के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिले जांच के दौरान शहर में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का माहौल बना रहा पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी ने विभागीय जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें लंबे समय से शराब उपभोक्ताओं द्वारा शराब की गुणवत्ता खराब होने और उसमें कथित मिलावट की शिकायतें मिल रही थीं उनका कहना है कि विभिन्न दुकानों के आसपास निरीक्षण करने और ग्राहकों से जानकारी लेने के बाद ही उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। रेड्डी ने आरोप लगाया कि यदि जांच से पहले संबंधित लोगों को इसकी जानकारी मिल जाती है तो सबूत मिटाए जा सकते हैं और वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ पाती उन्होंने दावा किया कि जांच के दौरान डोमनहिल, गोदरीपारा और छोटा बाजार स्थित दुकानों पर मौजूद कुछ ग्राहकों ने भी आबकारी अधिकारियों के सामने शराब में पानी मिलाने और शराब के पतला होने की शिकायत की थी हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पूर्व महापौर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ शराब दुकानों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने और प्रभावी निगरानी के अभाव में गड़बड़ियों की आशंका बनी रहती है उन्होंने मांग की कि घनी आबादी और मुख्य सड़कों के किनारे संचालित शराब दुकानों के संचालन संबंधी नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए के. डोमरू रेड्डी ने राज्य सरकार और आबकारी विभाग से पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने यदि कोई अनियमितता सामने आए तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा चिरमिरी क्षेत्र में कथित मिलावटी शराब और अवैध बिक्री पर स्थायी रोक लगाने की मांग की है वहीं आबकारी विभाग का कहना है कि प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की मिलावट की पुष्टि नहीं हुई है और यदि भविष्य में कोई ठोस साक्ष्य प्राप्त होते हैं तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महतारी वंदन योजना बनी भारती सिंह के लिए आत्मनिर्भरता का आधार, 28 हजार रुपये की सहायता से बदली जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है जिले के ग्राम खाड़ाखोह निवासी भारती सिंह इसकी प्रेरक मिसाल हैं योजना के तहत उन्हें अब तक 28 किश्तों में कुल 28 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई है जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

भारती सिंह बताती हैं कि हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि से बच्चों की पढ़ाई, कॉपी-किताबें, स्कूल की आवश्यक सामग्री और घर के दैनिक खर्च पूरे करने में काफी मदद मिल रही है पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब नियमित सहायता से घरेलू बजट संभालना आसान हो गया है और उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

उन्होंने कहा कि इस योजना ने केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं दिया बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाया है अब वे परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं और बच्चों की शिक्षा बिना किसी बाधा के जारी रख पा रही हैं उनका मानना है कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं भारती सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए सम्मान, आत्मनिर्भरता और सुरक्षित भविष्य का मजबूत आधार बनी है योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन रही है।

12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म मामले में हाईकोर्ट सख्त, काउंसलिंग रिपोर्ट तलब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बैकुंठपुर में 12 वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म के मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं मामले में पुलिस पहले ही आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है वहीं अदालत ने काउंसलर से बच्चों की काउंसलिंग रिपोर्ट बंद लिफाफे में प्रस्तुत करने को कहा है और अगली सुनवाई तक दोनों बच्चों को चाइल्ड वेलफेयर सेंटर में ही रखने के निर्देश दिए हैं मामले में नाबालिग की मुंहबोली बहन ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर दावा किया था कि उसकी बहन और 9 वर्षीय भाई को अवैध रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन में रखा गया है हालांकि रिकॉर्ड के अनुसार बालक बैकुंठपुर चाइल्ड वेलफेयर सेंटर तथा बालिका अंबिकापुर स्थित बालिका गृह में सुरक्षित पाए गए सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को दोनों बच्चों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे रिकॉर्ड और तथ्यों के अवलोकन के बाद अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि याचिका में तथ्यों को लेकर न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया गया है हाईकोर्ट ने काउंसलिंग रिपोर्ट बंद लिफाफे में प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को निर्धारित की है।

गोभक्तों को न्याय दिलाने का संकल्प, सख्त कानून बनाने की उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। गोसंरक्षण और गोभक्तों की सुरक्षा को लेकर आयोजित एक सभा में वक्ताओं ने गोवंश संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाने की मांग उठाई उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में प्रभावी कानूनों के अभाव के कारण कई बार गोभक्तों को स्वयं हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि गोवंश से जुड़े मामलों में प्रभावी कानूनी व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई का अभाव है उनका कहना था कि यदि सख्त और प्रभावी कानून लागू किए जाएं तथा उनका कड़ाई से पालन हो तो ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता है और किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सभा के दौरान वक्ताओं ने संबंधित प्रकरण में शामिल गोभक्तों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन व्यक्त किया उन्होंने कहा कि उनका संगठन प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए लोकतांत्रिक एवं कानूनी दायरे में रहकर हरसंभव प्रयास करेगा सभा के अंत में संगठन ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा गोसंरक्षण से जुड़े मामलों में प्रभावी कानूनी व्यवस्था लागू करने की मांग की साथ ही समाज से शांति, संयम और कानून का पालन करते हुए अपनी बात रखने की अपील भी की गई।

शिवपुरी में अनियंत्रित होकर पलटी यात्री बस, 16 लोग घायल, चालक और स्टाफ मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक निजी यात्री बस के पलट जाने से 16 यात्री घायल हो गए हादसा ककरई गांव के पास मगर्दा-दुबेरा मार्ग पर हुआ दुर्घटना के बाद बस चालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 9:35 बजे एक निजी बस अगरा गांव से यात्रियों को लेकर शिवपुरी जा रही थी बैराड़ पहुंचने से पहले ककरई गांव के समीप चालक बस से नियंत्रण खो बैठा जिससे बस सड़क किनारे पलट गई हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला सूचना मिलने पर बैराड़ थाना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची सभी घायलों को एम्बुलेंस और अन्य वाहनों की सहायता से बैराड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में ललिता आदिवासी, धनवंती आदिवासी, न्यासी आदिवासी, नारायणी आदिवासी, रति आदिवासी, विद्या यादव, मछला आदिवासी, बीरो आदिवासी, पांचो आदिवासी, सुनीता धाकड़, होतम यादव, हल्की आदिवासी, शांति कुशवाहा, शांति धाकड़, रामकली आदिवासी और पप्पू आदिवासी घायल हुए हैं प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे की वजह चालक को झपकी आना हो सकती है हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है दुर्घटना के तुरंत बाद बस चालक और अन्य स्टाफ मौके से फरार हो गए बैराड़ थाना पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पोहरी SDM और पटवारी पर रिश्वत मांगने का मामला दर्ज, जमीन रिकॉर्ड सुधार के बदले मांगे थे 5 हजार रुपए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पोहरी के एसडीएम और एक पटवारी के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ने रिश्वत मांगने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑडियो रिकॉर्डिंग और साक्ष्यों के आधार पर दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है ईओडब्ल्यू के अनुसार शिवपुरी निवासी गोविंद शिवहरे ने ग्राम रघुनाथपुरा की कृषि भूमि खरीदने का अनुबंध किया था राजस्व रिकॉर्ड में नाम की गलत प्रविष्टि के कारण भूमि की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही थी रिकॉर्ड में सुधार के लिए उन्होंने पोहरी एसडीएम न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया था।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले में अनुकूल आदेश पारित कराने के लिए पोहरी एसडीएम जे.पी. गुप्ता ने पटवारी अशोक वर्मा के माध्यम से पहले 10 हजार रुपए और बाद में 5 हजार रुपए रिश्वत की मांग की रिश्वत देने के बजाय गोविंद शिवहरे ने 25 जून को ईओडब्ल्यू, ग्वालियर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद ईओडब्ल्यू ने शिकायतकर्ता को डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर उपलब्ध कराया और आरोपियों से होने वाली बातचीत रिकॉर्ड करने के निर्देश दिए शिकायतकर्ता ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एसडीएम कार्यालय में एसडीएम और पटवारी से मुलाकात की जहां पूरी बातचीत रिकॉर्ड की गई।

ईओडब्ल्यू के मुताबिक रिकॉर्डिंग में एसडीएम जे.पी. गुप्ता द्वारा 5 हजार रुपए रिश्वत मांगने और यह राशि पटवारी अशोक वर्मा को देने के निर्देश देने की बात सामने आई शिकायतकर्ता ने रिकॉर्डिंग में अपनी तथा दोनों आरोपियों की आवाज की पहचान भी की। इसके बाद बातचीत का ट्रांसक्रिप्ट तैयार कर कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ईओडब्ल्यू ने एसडीएम जे.पी. गुप्ता और पटवारी अशोक वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-7 के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनदर्शन में दिव्यांग हितग्राही को तत्काल मिला श्रवण यंत्र, कलेक्टर के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की त्वरित कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण उस समय देखने को मिला जब जनदर्शन में पहुंचे एक दिव्यांग हितग्राही की समस्या का तत्काल समाधान करते हुए समाज कल्याण विभाग ने उसे श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया कलेक्टर के निर्देश पर विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई कर ग्राम सोनहरी निवासी शकुन्तला यादव को तुरंत श्रवण यंत्र सौंप दिया कार्यालय कलेक्टर में आयोजित जनदर्शन के दौरान शकुन्तला यादव ने सुनने में हो रही परेशानी बताते हुए श्रवण यंत्र की मांग की मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए सहायक संचालक अंजना रोस बेक के नेतृत्व में विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसी दिन हितग्राही को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र मिलने के बाद शकुन्तला यादव ने खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें सुनने में काफी सुविधा होगी और दैनिक जीवन के कार्य पहले की तुलना में अधिक आसानी से कर सकेंगी उन्होंने जिला प्रशासन, कलेक्टर और समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए जनदर्शन को आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बताया। समाज कल्याण विभाग के अनुसार दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ, सहायक उपकरण और आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए सहायक संचालक अंजना रोस बेक के नेतृत्व में विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसी दिन हितग्राही को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र मिलने के बाद शकुन्तला यादव ने खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें सुनने में काफी सुविधा होगी और दैनिक जीवन के कार्य पहले की तुलना में अधिक आसानी से कर सकेंगी उन्होंने जिला प्रशासन, कलेक्टर और समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए जनदर्शन को आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बताया समाज कल्याण विभाग के अनुसार दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ, सहायक उपकरण और आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

कोलारस थाने में हंगामे का वीडियो वायरल, युवक ने पुलिस पर मारपीट और शिकायत दर्ज न करने का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है वीडियो में एक प्रधान आरक्षक मोबाइल से रिकॉर्डिंग कर रहे युवक को रोकते और उसका मोबाइल छीनने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं वहीं एक पीड़ित परिवार ने पुलिस पर मारपीट करने और शिकायत दर्ज नहीं करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है कोलारस थाना क्षेत्र के सेसई सड़क गांव निवासी अमन रावत के अनुसार करीब छह माह पहले उनके मामा देवेंद्र रावत ने ट्रक संचालन के लिए उनसे एक लाख रुपए उधार लिए थे आरोप है कि रकम वापस मांगने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया अमन का कहना है कि 29 जून को शिवपुरी के टेकरी बाजार में उनकी बहन राशिका रावत और बहनोई राहुल रावत की देवेंद्र रावत, संतान रावत और देवू रावत से मुलाकात हुई जहां रुपए मांगने को लेकर कहासुनी और मारपीट हुई।पीड़ित का आरोप है कि 30 जून की शाम जब वह खोंकर गांव में ट्रैक्टर से खेत जोत रहे थे तब देवेंद्र रावत, संतान रावत, महेंद्र, समझे और रोहित रावत ने उनके साथ मारपीट की इसके बाद वे शिकायत दर्ज कराने कोलारस थाने पहुंचे लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय उनके साथ मारपीट की अमन का यह भी आरोप है कि जब उनके छोटे भाई छोटू रावत ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया तो प्रधान आरक्षक मदन मोहन सिंह ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया और उसके साथ भी मारपीट की।

बैतूल के गाजरिया आम को मिला जीआई टैग 500 साल पुराना है इतिहास, गाजर जैसा रंग, अनानास जैसी खुशबू आती है

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल का प्रसिद्ध गाजरिया आम अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाएगा। इस खास आम को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिल गया है। यह सम्मान मध्य प्रदेश की 12 उद्यानिकी फसलों को एक साथ दिए गए GI टैग का हिस्सा है। देश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में उद्यानिकी फसलों को एक साथ GI टैग मिला है। उद्यानिकी विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों की आय बढ़ाने के लिए उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रदेश में इस समय करीब 28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों की खेती हो रही है। इसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 30 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है।

किसानों को मिलेगा बेहतर बाजार और सही दाम: गाजरिया आम को ज्ञढ्ढ टैग मिलने से बैतूल के किसानों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। इससे इस आम की अलग पहचान बनेगी। किसानों को बेहतर बाजार, अच्छी कीमत और अपने उत्पाद की ब्रांड वैल्यू मिलेगी। ज्ञढ्ढ टैग किसी उत्पाद की गुणवत्ता और उसकी विशेष पहचान को प्रमाणित करता है।

500 साल पुराना है गाजरिया आम

500 साल पुराना है गाजरिया आम का इतिहास: गाजरिया आम का इतिहास 500 साल से भी पुराना माना जाता है। बैतूल जिले के खेड़ला किला, भवरगढ़, सांवलीगढ़, शेरगढ़ और असीरगढ़ जैसे ऐतिहासिक किले इस क्षेत्र की पुरानी पहचान बताते हैं। माना जाता है कि गोंड शासनकाल से यह क्षेत्र इस खास आम की किस्म के लिए जाना जाता रहा है। वर्तमान में गाजरिया आम का उत्पादन मुख्य रूप से बैतूल, घोड़ाडोंगरी, शाहपुर और चिचोली विकासखंड में होता है। अब इन क्षेत्रों में क्लस्टर विकसित कर इसकी खेती का रकबा बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके।

गाजर जैसा रंग, अनानास जैसी खुशबू: उद्यानिकी विभाग के उप संचालक आर.के. कोरी ने बताया कि गाजरिया आम की पहचान अंग्रेजों के समय से है। वर्ष 1905 में बैतूल की कंपनी गार्डन नर्सरी में इस स्थानीय किस्म का रोपण किया गया था। यह पूरी तरह स्थानीय किस्म है, जो सतपुड़ा की जलवायु और यहां की मिट्टी में अपना अलग स्वाद विकसित करती है। उन्होंने बताया कि इस आम के गूदे का रंग गाजर जैसा होता है, इसलिए इसका नाम गाजरिया रखा गया। इसकी खुशबू अनानास जैसी होती है। एक फल का औसत वजन 200 से 250 ग्राम तक होता है। यह आम बिना किसी रासायनिक प्रक्रिया के प्राकृतिक रूप से पकता है और हर साल 15 अप्रैल से 15 मई के बीच बाजार में उपलब्ध रहता है। स्वाद और मिठास ने बनाई अलग पहचान फल विक्रेता नासिर खान ने बताया कि गाजरिया आम मई के पहले सप्ताह से बाजार में आना शुरू हो जाता है। यह बैतूल के लोगों की पहली पसंद है। यहां की मिट्टी और सतपुड़ा की जलवायु इसकी मिठास और स्वाद को खास बनाती है। इसका गूदा गाजर जैसा केसरिया होता है और इसकी खुशबू लोगों को आकर्षित करती है। सामान्य तौर पर यह 50 से 60 रुपये प्रति किलो बिकता है। हालांकि, इस वर्ष तेज हवाओं के कारण काफी फल झड़ गए, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। एक बार खाने वाला फिर इसी आम की मांग करता है उत्कृष्ट किसान महावीर गोठी ने बताया कि गाजरिया आम को काटकर भी खाया जाता है और चूसकर भी। इसकी खास बात यह है कि इसका आमरस बनाने के लिए अलग से शक्कर मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती। कच्चा होने पर इसका स्वाद मीठी गाजर जैसा लगता है। पकने के बाद इसका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है। इसके गूदे का रंग हमेशा केसरिया रहता है और इसमें गूदा भी भरपूर होता है। उनका कहना है कि जो व्यक्ति एक बार इसका स्वाद चख लेता है, वह दोबारा इसी आम की मांग करता है।

निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी: विशेषज्ञों का मानना है कि ज्ञढ्ढ टैग मिलने से गाजरिया आम की पहचान कानूनी रूप से सुरक्षित होगी। इससे नकली उत्पादों पर रोक लगेगी। किसानों को बेहतर कीमत मिलेगी और भविष्य में राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसके निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी। बैतूल का गाजरिया आम अब देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा चुका है।

रायसेन में 8 दिन से बारिश नहीं, धान रोपाई अटकी ट्यूबवेल से सिंचाई करने को मजबूर किसान हलाली डैम का जलस्तर गिरा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में पिछले एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होने लगी है। सबसे ज्यादा असर धान की फसल पर पड़ा है। किसानों ने खेत तैयार कर लिए हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से अब तक धान की रोपाई शुरू नहीं हो सकी है। किसानों का कहना है कि इस बार मानसून करीब 10 दिन की देरी से पहुंचा। इसके बाद पिछले 8 दिनों से बारिश नहीं हुई। इससे धान की खेती करीब 15 दिन पीछे चली गई है।

नर्सरी की पौध मुरझाने लगी: किसान मिट्ठू लाल मीणा ने बताया कि नर्सरी में तैयार धान की पौध अब पीली पड़ने लगी है और मुरझा रही है। समय पर बारिश नहीं होने से पौध खराब होने का खतरा बढ़ गया है। इससे किसानों की चिंता भी बढ़ रही है। ट्यूबवेल से कर रहे सिंचाई जिन किसानों के पास ट्यूबवेल की सुविधा है, वे खेतों में पानी भरकर रोपाई की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन लगातार सिंचाई के कारण कई ट्यूबवेल भी जवाब देने लगे हैं। इससे खेती का संकट और गहरा गया है। बादल हैं, लेकिन बारिश नहीं हो रही जिले में पिछले आठ दिनों से एक बूंद भी बारिश नहीं हुई है। आसमान में बादल जरूर छा रहे हैं। मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना जताई है, लेकिन अब तक बारिश नहीं होने से उमस भरी गर्मी भी लोगों को परेशान कर रही है।

नदी-तालाब सूख रहे: बारिश नहीं होने का असर जल स्रोतों पर भी दिखाई दे रहा है। भीषण गर्मी के कारण जिले का भू-जल स्तर पहले ही काफी नीचे पहुंच चुका है। जून खत्म होने के बावजूद नदी-नाले और छोटी नदियां सूखी पड़ी हैं। हलाली डैम का जलस्तर कम होने से शहर में पहले से ही एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही है। अब बारिश नहीं होने से किसानों के साथ-साथ आम लोगों की भी पानी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

मानसून में 3 महीने बंद रहेगा सतपुड़ा का कोर एरिया: मढ़ई-चूरना में जंगल सफारी पर रोक

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (STR) का कोर क्षेत्र 1 जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। मानसून के कारण मढ़ई और चूरना कोर क्षेत्र में 30 सितंबर तक जंगल सफारी पर पूरी तरह रोक रहेगी। 30 जून को इस सीजन की आखिरी सफारी हुई, जिसके बाद गेट बंद कर दिए गए। अब 1 अक्टूबर से पर्यटक एक बार फिर कोर क्षेत्र में सफारी का आनंद ले सकेंगे। बारिश के इन तीन महीनों के दौरान बाघों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निगरानी व्यवस्था पहले से ज्यादा मजबूत की गई है। जिन डूब क्षेत्रों में बारिश का पानी भर जाता है, वहां वन विभाग की टीम नाव के जरिए पेट्रोलिंग करेगी। इसके अलावा, जंगल के हर हिस्से पर नजर रखने के लिए हाथियों की मदद से भी नियमित गश्त की जाएगी।

500 कर्मचारी करेंगे निगरानी, लगेंगे कैमरे: एसटीआर की डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम ने बताया कि 500 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी जंगल में गश्त करेंगे। सभी बीटों में पैदल गश्ती बढ़ाई जाएगी। जिन संवेदनशील क्षेत्रों में बाघों की आवाजाही ज्यादा रहती है, वहां विशेष निगरानी रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। आखिरी सफारी में बाघ न दिखने से मायूस हुए पर्यटक सीजन के आखिरी दिन 30 जून को जंगल सफारी करने गए पर्यटकों को बाघ के दीदार नहीं हुए, जिससे वे मायूस होकर लौटे। हालांकि, उन्हें बायसन, सांभर, चीतल और भालू दिखाई दिए। शाम 6:30 बजे सफारी से लौटे इन पर्यटकों को कामती रेंजर राहुल उपाध्याय, मढ़ई प्रभारी अनिल मालवीय और स्टाफ ने माला पहनाकर विदा किया।

बफर जोन में चालू रहेगी नाइट सफारी: कोर क्षेत्र बंद रहने के बावजूद एसटीआर के बफर क्षेत्र में पूरे साल पर्यटन जारी रहेगा। यहां पर्यटक जंगल सफारी के साथ-साथ नाइट सफारी का भी लुत्फ उठा सकेंगे। वर्तमान में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व 70 से अधिक बाघों का बसेरा है, इसके अलावा यहां पैंथर, नीलगाय और बारहसिंगा जैसे कई अन्य वन्यजीव भी मौजूद हैं।

सीहोर में झमाझम बारिश, आष्टा में सबसे ज्यादा 4.29 इंच जिले में आज औसतन 1.73 इंच वर्षा, कई जगह नदी-नाले उफान पर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून सक्रिय हो गया है। बुधवार को जिले के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। सबसे ज्यादा 4.29 इंच बारिश आष्टा में दर्ज की गई। जिले में औसतन 1.73 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई, जिससे कई नदी-नाले उफान पर आ गए। भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, आष्टा में 4.29 इंच, रेहटी में 3.09 इंच और भैरूंदा में 2.05 इंच बारिश हुई। इसके अलावा जावर में 1.70 इंच, इछावर में 1.65 इंच और बुधनी में 0.81 इंच वर्षा दर्ज की गई। जिला मुख्यालय सीहोर में 0.24 इंच बारिश हुई, जबकि श्यामपुर केंद्र पर बारिश दर्ज नहीं की गई।

एक जून से अब तक 7.57 इंच बारिश: 1 जून से 1 जुलाई तक जिले में औसतन 7.57 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस दौरान सबसे ज्यादा 11.46 इंच बारिश आष्टा में हुई है।

बुधनी में डंपर ने तीन लोगों को मारी टक्कर:4 साल की बच्ची की मौत, दो महिलाएं घायल

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में 4 साल की तनीश कीर की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधनी के तालपुरा जोड़ पर हुआ। तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने रास्ते से जा रहे तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

4 साल की बच्ची की मौत: पुलिस के मुताबिक, हादसे में जाजना-रेहटी निवासी 4 वर्षीय तनीश कीर की मौत हो गई। वहीं, मनीष कीर (45) और प्राची कीर (25) निवासी जाजना गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए नर्मदापुरम रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त कर लिया। आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसडीओपी रवि शर्मा ने बताया कि डंपर जब्त कर लिया गया है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

देश में पहली बार एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जी आई टैग

वर्ष 2030 तक उद्यानिकी फसलों का क्षेत्र 30 लाख हेक्टेयर तक बढ़ेगा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश ने इतिहास बनाते हुए एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों के लिए जी आई टैग हासिल करने में सफलता हासिल की है। देश में यह पहली बार हुआ है जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में जीआई टैग मिला है। इनमें गुना का धनिया, नरसिंहपुर बरमान घाट का बेंगन, बैतूल गजरिया आम, खरगौरी की लाल मिर्च, मांडू की खुरसानी इमली, जबलपुर का मटर, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू और गराडू, नरसिंहपुर गुड़, जबलपुर सिंघाड़ा, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम सैलाना बालम ककड़ी और छतरपुर का पान शामिल है इसके अलावा उज्जैन की इमली, आलीराजपुर का अचारी आम, मालवा का सफेद प्याज, झाबुआ का दाल पानिया, मंदसौर का देशी जीरा, बुरहानपुर की जलेबी, अशोक नगर की खिरनी को जी आई टैग दिलवाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। कृषक कल्याण वर्ष में यह एक बड़ी उपलब्धि? है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों के आय को दो गुना बढ़ाने के लिए उनसे उद्यानिकी फसलों की खेती से जुड़ने का आव्हान किया है। फिलहाल 28 लाख हेक्टेयर में उद्यानिकी फसलों की खेती हो रही है। वर्ष 2030 तक 30 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने की कार्ययोजना बनाई गई है।

कुम्भराज धनिया: कुम्भराज धनिया गुना जिले में लगभग 60 वर्षों से उगाया जा रहा है। यह किस्म 85-90 दिन में पककर तैयार होती है। इसकी उपज लगभग 12-15 कुंटल प्रति हेक्टर प्राप्त होती है। इसमें लगभग 0.4 से 0.50 प्रतिशित वाष्पशील तेल है, जिसकी वजह से इसमें बहुत अच्छी खुशबू व मिठास आती है। धनिया गुना जिले से अन्य देशो को निर्यात किया जा रहा है। कुम्भराज धनिया का स्वाद दूसरे धनिया की तुलना में तेज और बेहतर है, इसका चमकीला हरा रंग, उत्तम आकृत्ति और माप तथा शानदार सुगंध है। अकेले गुना में सालाना लगभग 32,000 मीट्रिक टन धनिया का उत्पादन होता है जो पूरे देश के कुल उत्पादन का 20 से 25 प्रतिशत है।

बरमान भटे: नर्मदा की बालुई मिट्टी में पैदा होने वाले भटे का जायका कुछ अलग ही है। यही कारण है कि बाहर से भी लोग अक्सर अपने माध्यमों से बरमान के भटे को बुलाते है, मंडियों में बरमान के भटे की तलाश रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि नर्मदा किनारे कम तापमान होने की वजह से यहां के भटे का स्वाद अलग रहता है।

बैतूल का गजरिया आम: बैतूल जिले में खेड़ला किला, भवरगढ़, सांवलीगढ़, शेरगढ़ और असीरगढ़ किले जो 500 साल से ज्यादा पुराने किलो में आते हैं। जो यह बताते है की बैतूल गोंड राजाओ का केंद्र था। भारत वर्ष का सर्वसुलभ एवं लगभग हर प्रान्त में आसानी से उगाया जा सकने वाला फल आम है। ताजे फल के उपयोग के अतिरिक्त आम के फलों से अनेक परिरक्षित पदार्थ बनाये जाते हैं। कच्चे आम का अचार, अमचूर आदि बनाये जाते जबकि पके आम से स्क्वैश, जूस, शर्बत, जैम, अमावट आदि बनाये जाते हैं। अधिकतर आम के बाग अवैज्ञानिक तरीके से लगाये गये हैं।

स्कूल वैन ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत: सागर में एक्सीडेंट के बाद पेड़ से टकराई ड्राइवर भागा

रमीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के जैसीनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह को एक सड़क हादसा हो गया। सरखड़ी-बांसा रोड पर स्थित ताजपुर तिराहे पर एक तेज रफ्तार स्कूल वैन ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की जान चली गई। घटना के बाद वैन अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई और आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। बांसा निवासी 42 वर्षीय गुड्डू यादव और सिंगारचौरी निवासी उनका 27 वर्षीय दोस्त रामबाबू उर्मी किसी निजी काम से बाइक पर सागर जा रहे थे। ताजपुर तिराहे के पास सरखड़ी कॉन्वेंट स्कूल की वैन ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी।अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया सूचना मिलते ही जैसीनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को तुरंत भाग्योदय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार वैन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

बैतूल में बोलेरो हटाने का बोला तो मारा चाकू , ढाबे के बाहर रास्ता रोकने पर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल के खेड़ी सावलीगढ़ स्थित एमपी-48 ढाबे के बाहर वाहन हटाने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। आरोपी ने युवक के पेट में वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी का कोतवाली से न्यायालय तक पैदल जुलूस भी निकाला। पुलिस के अनुसार, घटना 30 जून की रात करीब एक बजे की है। खेड़ी सावलीगढ़ की गोठी कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय सिद्धार्थ अग्रवाल अपने दोस्तों के साथ ढाबे पर खाना खाने के बाद बाहर आए

थे। उनकी स्कॉर्पियो के पीछे एक बोलेरो खड़ी थी, जिससे रास्ता बंद हो गया था। सिद्धार्थ ने बोलेरो चालक से वाहन हटाने के लिए कहा तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

गाली-गलौज के बाद पेट में किया चाकू से वार: आरोप है कि बोलेरो चालक सागर बिंझाड़े उर्फ डेविड गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने चाकू निकालकर सिद्धार्थ के पेट में वार कर दिया। हमले में सिद्धार्थ के पेट के बाई ओर गंभीर चोट आई।

15 साल की किशोरी का शव फंदे पर मिला मंदसौर में परिजन उतारकर अस्पताल ले गए

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के पिपलियामंडी कस्बे में मंगलवार रात 15 वर्षीय एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर के पीछे स्थित गंगा विहार कॉलोनी की है। मृतका की पहचान खुशनुमा पिता असलम पठान (15) निवासी गंगा विहार, पिपलियामंडी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11 बजे किशोरी ने घर में फांसी लगा ली। घटना के समय परिवार के लोग भी घर पर मौजूद थे। जानकारी मिलते ही परिजन उसे तुरंत फंदे से उतारकर पिपलियामंडी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पिपलियामंडी चौकी प्रभारी रितेश डामोर पुलिस टीम के साथ

अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पैनल से होगा पोस्टमार्टम: चौकी प्रभारी रितेश डामोर ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम पैनल से कराया जाना है। इसलिए शव को मंदसौर जिला चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में सुरक्षित रखा गया है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

चाकू दिखाकर स्कूटी सवार को धमकाने वाले दो गिरफ्तार

मंदसौर में मामूली टक्कर के बाद हुआ था विवाद दो आरोपी अभी भी फरार

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के बालागंज-कालाखेत रोड स्थित माता जी मंदिर के पास स्कूटी चालक को चाकू दिखाकर धमकाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले के दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में भावेश पिता विनोद राठौर (19) निवासी कालाखेत गली नंबर-5 और भावेश पिता मुरलीधर अखेरिया (19) निवासी सम्राट मार्केट खाल, मंदसौर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के समय भावेश अखेरिया मौके पर मौजूद नहीं था, लेकिन उसकी मोटरसाइकिल का इस्तेमाल

आरोपियों ने किया था। इसी आधार पर उसे भी मामले में आरोपी बनाया गया।

दो आरोपी अभी भी फरार: मामले में केशव पिता चेतन पवार निवासी लालघाटी और निखिल पिता विनोद झंझोट निवासी मदारपुरा हरिजन बस्ती फरार हैं। पुलिस के अनुसार घटना के दौरान निखिल झंझोट ने ही चाकू लहराया था। दोनों आरोपियों की तलाश जारी है। 23 जून की रात हुई थी घटना पुलिस के अनुसार 23 जून की रात बालागंज-कालाखेत रोड स्थित माता जी मंदिर के सामने स्कूटी और बाइक की मामूली टक्कर के बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसी दौरान बाइक सवार युवकों में से एक ने चाकू निकालकर स्कूटी चालक को दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए स्कूटी चालक अपनी स्कूटी मौके पर छोड़कर भाग गया। वीडियो वायरल होने के बाद हुई कार्रवाई घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और कार्रवाई की। अपराधियों में कानून का भय पैदा करने और आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास कायम करने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस दोनों गिरफ्तार आरोपियों को थाना परिसर से पैदल न्यायालय लेकर पहुंची। न्यायालय ने दोनों को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी बोले- किसी को बख्शा नहीं जाएगा कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि फरार दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने और इस तरह की आपराधिक हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराया

1986 के बाद नॉकआउट में पहली जीत दर्ज की

मैक्सिको,एजेसीं। मैक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। सह-मेजबान टीम ने बुधवार को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराया। जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ मैक्सिको ने 40 साल बाद विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज की। यह 1986 के बाद मैक्सिको का पहला विश्व कप नॉकआउट मुकाबला था। खास बात यह रही कि उस साल भी मैक्सिको मेजबान था और उसने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर जीत हासिल की थी। अब 2026 में भी टीम ने उसी स्कोर से जीत दर्ज कर इतिहास दोहरा दिया। इसके अलावा, मैक्सिको 1990 में इटली के बाद पहला मेजबान देश बन गया है जिसने विश्व कप के अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं। खराब मौसम के कारण मुकाबला एक घंटे देरी से शुरू हुआ, लेकिन इसका असर मैक्सिको के खेल पर बिल्कुल नहीं दिखा। शुरुआत से ही टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। दूसरे हाफ में इक्वाडोर ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन मैक्सिको की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उसे कोई मौका नहीं दिया। टीम ने लगातार चौथे मैच में भी एक भी गोल नहीं खाया।

मैक्सिको ने पहले 15 मिनट में ही कई अच्छे मौके बनाए। गिलबर्टो मोरा, लुइस रोमो, राउल जिमेनेज और मोरा गोल कर सकते थे। वहीं, 18वें मिनट में इक्वाडोर के जॉन येबोआ का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। इसके चार मिनट बाद जूलियन क्विनोनेस ने जोरदार शॉट लगाकर मैक्सिको को 1-0 की बढ़त दिला दी। मोरा (17 साल और 259 दिन) पेले के बाद वर्ल्ड कप नॉकआउट-स्टेज मैच शुरू करने वाले दूसरे 17 साल के खिलाड़ी और दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। पेले 1958 में वेल्स के खिलाफ़ ब्राज़ील के लिए खेलते समय 17 साल और 239 दिन के थे। रॉबर्टो अल्वाराडो ने शानदार पास देकर क्विनोनेस को मौका बनाया। क्विनोनेस अपने ही हाफ से दौड़ते हुए आगे बढ़े और पेनल्टी बॉक्स के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गालिंडेज को कोई मौका नहीं दिया। पहला गोल करने के बाद क्विनोनेस यहीं नहीं रुके। पहले हाफ के आधे घंटे के बाद उन्होंने शानदार पास देकर राउल जिमेनेज से दूसरा गोल भी करवाया। दूसरी ओर, सीजर मोंटेस और जोहान वास्केज ने रक्षा पंक्ति को मजबूती से संभाला और कॉर्नर पर हेडर से गोल करने के करीब भी पहुंचे। गोलकीपर राउल रेंगल ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल की।

'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए जूलियन क्विनोनेस ने कहा, 'आज सबसे बड़ी बात हमारी टीमवर्क रही। कोई खिलाड़ी तभी चमक सकता है, जब पूरी टीम अच्छा प्रदर्शन करे। यही हमारी सोच है। हमें लगातार लड़ते रहना है। जिंदगी भी यही सिखाती है कि जब तक मंजिल न मिले, तब तक संघर्ष करते रहो। हमारा साथ देने और हम पर भरोसा जताने वाले सभी लोगों का धन्यवाद।' अब मैक्सिको की टीम 6 जुलाई को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में इंग्लैंड और कांगो डीआर के बीच होने वाले राउंड ऑफ-32 मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगी

बांग्लादेशी गेंदबाज ताइजुल ने 19वीं बार पांच विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

स्टार्क से भी आगे निकले

हरारे ,एजेसीं। यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भले ही बांग्लादेश को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा हो पर इस मुकाबले में बांग्लादेशी स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किय है। ताइजुल अब टेस्ट क्रिकेट में एक मामले में ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से भी आगे निकल गए हैं। ताइजुल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 40.2 ओवरों में केवल 138 रन देकर 7 विकेट लिए। इस प्रकार ताइजुल ने अपने टेस्ट करियर में 19वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही ताइजुल ने कई रिकार्ड तोड़े हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। इस प्रकार उन्होंने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के 19 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम टेस्ट में 18 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। ताइजुल का यह मुकाम हासिल करना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 107 टेस्ट पारियों में हासिल की है। वहीं शाकिब अल हसन ने 19 बार पांच विकेट लेने के लिए 121 पारियां ली थीं, जबकि मिचेल स्टार्क को 18 बार पांच विकेट लेने के लिए 202 पारियां खेलनी पड़ी थीं।ज्यादा फाइव-विकेट हॉल लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में श्रीलंका के रंगना हेराथ 34 बार के साथ शीर्ष पर हैं । बाद पाकिस्तान के वसीम अकरम 25 और न्यूजीलैंड के डैनियल विटोरी 20 का नाम आता है।

हार्दिक पांड्या ने मुंबई छोड़ा, इस शहर में हमेशा के लिए शिफ्ट हुए

नई दिल्ली ,एजेसीं। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने करियर के बाकी समय के लिए BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) को अपना स्थायी ट्रेनिंग बेस बनाने के मकसद से बेंगलुरु में अपना ठिकाना बना लिया है। ऐसा करने वाले वे भारत के पहले प्रमुख मौजूदा क्रिकेटर हैं। यह कदम इसलिए खास है क्योंकि भारत के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ी आमतौर पर चोट से उबरने, फिटनेस टेस्ट या नेशनल कैंप के लिए ही COE जाते हैं। हालांकि पांड्या मूल रूप से गुजरात के बड़ौदा के रहने वाले हैं, लेकिन उन्होंने पिछले दशक का ज्यादातर समय मुंबई में बिताया है और मुख्य रूप से अपनी IPL टीम मुंबई इंडियंस की घंसोली स्थित सुविधा में ट्रेनिंग की है।

क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं और च के मौजूदा व्हाइट-बॉल दौरे से बाहर 32 साल के पांड्या ने पिछले छह महीनों में COE में काफी समय बिताया है। BCCI के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया, 'हार्दिक पहले ही बेंगलुरु में स्थायी रूप से शिफ्ट हो चुके हैं। उन्होंने शहर के बाहरी इलाके में COE के पास एक प्रॉपर्टी किराए पर ली है। वे अपने करियर के बाकी समय के लिए COE को अपना स्थायी ट्रेनिंग बेस बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर होंगे।' सूत्र ने कहा, 'हार्दिक मुंबई से बाहर जाना चाहते थे क्योंकि ट्रेनिंग के लिए रोजाना अपने लोअर परेल स्थित घर से आना-जाना मुश्किल हो गया था। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले क्रिकेटर के तौर पर उन्हें ष्ठह्वश्च में चोट के इलाज से लेकर स्किल ट्रेनिंग तक हर सुविधा मिलती है। इसलिए, उन्होंने फैसला किया कि जब भी वे IPL, राज्य या राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं होंगे, तो ष्ठह्वश्च ही उनका स्थायी बेस होगा।' माना जा रहा है कि हार्दिक के पास अपना फिजियोथेरेपिस्ट और पर्सनल स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग (S&C) कोच भी होगा जो COE के बाहर उनकी ट्रेनिंग में मदद करेगा। सूत्र ने आगे कहा, 'यह बेंगलुरु में अपना बेस शिफ्ट करने जैसा है, जब तक वे भारत के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलते रहेंगे, और उनका इरादा कम से कम अगले पांच-छह साल तक खेलने का है। यहां तक कि जब वे स्किल पर काम करते हैं, जैसे COE द्वारा हायर किए गए नेट बॉलर्स के खिलाफ बैटिंग करना, तो हार्दिक उन्हें अपनी जेब से पैसे देते हैं।'

जहां तक उनकी वापसी की बात है, तो माना जा रहा है कि उनका रिहैबिलिटेशन अभी भी चल रहा है। उन्होंने निजी काम के लिए कुछ दिनों की छुट्टी ली थी और उम्मीद है कि वे एक-दो दिन में COE लौट आएंगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि 'रिटर्न-टू-प्ले' प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद फिट घोषित किए जाने पर उन्हें च दौरे के ठीक बाद होने वाली जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की T20 सीरीज के लिए चुना जाएगा या नहीं।

वैभव के लिए भी हमने रणनीति बनायी : हैरी ब्रूक

लंदन ,एजेसीं। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 मैच में अगर वैभव सूर्यवंशी उतरते हैं तो उनसे मुकाबले के लिए हमारी टीम तैयार हैं। ब्रूक के अनुसार उन लोगों ने वैभव से निपटने की रणनीति बना ली है। अभी ये तय नहीं है कि भारतीय टीम वैभव को पहले टेस्ट में उतारती है या नहीं।

वहीं मेजबान टीम के कप्तान ने साफ कर दिया है कि इंग्लैंड दोनों ही हालातों के लिए तैयार है। ब्रूक ने कहा, हमन पर प्रकार से तैयारी की है। जिससे इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाया जा सके।

दूसरी ओर अपने डेब्यू का इंतजार कर रहे वैभव ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले कोलंबो में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हुई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में इस बल्लेबाज ने केवल 29 गेंदों में ही 94 रन बना दिये थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनने में सफल रहे। अब देखना होगा कि पहले टी20 में उन्हें अवसर मिलता है या नहीं। वहीं अगर वह मैदान पर उतरते हैं, तो इंग्लैंड की टीम एक तय रणनीति के साथ उन्हें शुरुआत में ही आउट करने के प्रयास करेगी। वहीं वैभव को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बल्लेबाजी का आंकलन करने का अवसर मिलेगा।

बिएल्सा ने उरुग्वे टीम के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

मोंटेवीडियो,एजेसीं। मार्सेलो बिएल्सा ने कहा कि वह फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण से उरुग्वे के बाहर होने के बाद टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे देंगे। दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे ग्रुप एच में तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने काबो वर्डे और सऊदी अरब के खिलाफ ड्रॉ खेले, जबकि स्पेन से हार का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वह फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 70 वर्षीय अर्जेंटीनी कोच मार्सेलो बिएल्सा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरे लिए यह विदाई बेहद पीड़ादायक है, क्योंकि जब मैंने इस परियोजना की जिम्मेदारी संभाली थी तब मुझमें काफी उम्मीदें थीं। जिस तरह इसका अंत हुआ और इतने लोगों, खासकर खिलाड़ियों ने जो प्रयास किए, उन्हें देखते हुए यह और भी दुखद है।' उन्होंने आगे कहा, 'जहां तक इस नतीजे की जिम्मेदारी का सवाल है, मुझे लगता है कि यह पूरी तरह मेरी है। हम जिस स्थान पर रहे, उसके लिए मेरे पास कोई बहाना नहीं है। संक्षेप में कहूं तो, मेरे पास उपलब्ध खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखते हुए मैं उनके संसाधनों का सही ढंग से उपयोग नहीं कर सका।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय स्क्वाड में चंडीगढ़ की खिलाड़ी को मिली जगह

चंडीगढ़ ,एजेसीं। एशियाई खेलों के लिए बीसीसीआई ने बीते दिन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा की। भारतीय स्क्वाड में चंडीगढ़ की नंदिनी शर्मा को जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम में उनका चयन होना यूनियन टेरिटरी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) के लिए भी अच्छी खबर है। भारतीय महिला टीम पिछली बार चीन के हांगझोऊ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर 2023 तक हुए एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने के बाद डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरेगी। नंदिनी के अलग-अलग घरेलू और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने को देखते हुए स्क्वाड में जगह दी गई है। वर्ष की शुरुआत में उन्होंने एसीसी राइजिंग स्टार महिला एशिया कप में इंडिया ए का प्रतिनिधित्व किया। बीसीसीआई की ओर से आयोजित अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर लेवल के टूर्नामेंट में पंजाब और यूटीसीए दोनों का प्रतिनिधित्व करने के बाद, नंदिनी ने सीनियर महिला इंटर-जोनल टूर्नामेंट, महिला टी20 चैलेंजर ट्रॉफी और सीनियर महिला वनडे चैलेंजर ट्रॉफी जैसी बड़ी घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वे दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाया। इंग्लैंड में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी भारतीय टीम में उनको जगह दी गई है।

माया जॉइंट ने संयम रखते हुए सेरेना की वापसी की कोशिश को किया नाकाम

लंदन,एजेसीं। माया जॉइंट ने अपने युवा करियर का सबसे बड़ा मैच खेला और जीता। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर हुए रोमांचक मुकाबले में दिग्गज सेरेना विलियम्स की विंबलडन सिंगल्स में वापसी का सफर खत्म कर दिया। कभी विंबलडन नहीं जीतने वाली जॉइंट जनवरी से लगातार 11 टूर लेवल मैच हारने के बाद इस चैंपियनशिप में उतरी थीं और उन्होंने सात बार की चैंपियन को 6-3, 6-7(6), 6-3 से हराया। अब उनका मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा। सेरेना ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में पहला मैच पॉइंट बचाया और फिर निर्णायक सेट में एक ब्रेक से बढ़त बनाई। उन्होंने शानदार खेल दिखाया लेकिन जॉइंट के हौसले को नहीं तोड़ पाई। 20 साल की ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने सेरेना की ताकत का डटकर सामना किया और उनकी मशहूर सर्विस को पांच बार तोड़ा और आखिरकार उन्हें हरा दिया। उन्होंने 10 ऐस भी लगाए। 44 साल की उम्र में सेरेना 2004 में 47 साल की मार्टिना नवरातिलोवा के बाद ओपन एरा में विंबलडन महिला सिंगल्स में खेलने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला थीं। जॉइंट ने कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझे नहीं पता क्या हुआ। मेरे पैर नहीं चल रहे थे। मुझे सच में नहीं पता कि मैच में मुझे इतनी अच्छी शुरुआत कैसे मिली।

उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली है। वह एक लेजेंड हैं और इस कोर्ट पर कई बड़े नाम खेल चुके हैं। मैं बचपन से ही इस पल का सपना देख रही थी, इसलिए यह बहुत ही अद्भुत अनुभव था।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे मुश्किल काम कोर्ट पर उतरकर उनके खिलाफ मैच खेलना था। शुरुआत में घबराहट हो रही थी। मैच खत्म करने की कोशिश के दौरान, मुझे लगता है कि उन्होंने निश्चित रूप से अपना खेल बेहतर किया। उन्होंने बहुत अच्छा टेनिस खेला।' 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार 1,397 दिन पहले 2022 में अमेरिका ओपन में ऑस्ट्रेलिया की अजला टोमलजानोविच के खिलाफ सिंगल्स मैच खेला था। जॉइंट से चौंकाने वाली हार के बाद वह ऑल इंग्लैंड क्लब में ही रहेंगी और अपनी बहन वीनस के साथ डबल्स मैच खेलेंगी। दमैच के बाद सेरेना ने पत्रकारों से बात नहीं की लेकिन एक बयान जारी किया जो मीडिया को दिया गया। 'विंबलडन में वापसी करना वाकई बहुत अच्छा रहा।

मोरक्को से हार कर नीदरलैंड का सफर खत्म

नई दिल्ली ,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी है। राउंड ऑफ 32 में मोरक्को और नीदरलैंड्स टीम का मुकाबला खेला गया, जिसमें नीदरलैंड की टीम को हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ वर्ल्ड कप में उसका सफर समाप्त हो गया है। मोरक्को के खिलाफ खेलते हुए नीदरलैंड की टीम के हार के साथ ही कोच रोनाल्ड कोमैन ने भी कोच का पद छोड़ दिया है। इसी के साथ मैनेजर के तौर पर 'ऑरेंज' (नीदरलैंड्स टीम) के साथ उनका दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया। कोमैन ने 2018 की शुरुआत में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया, जो 2020 के मध्य तक चला। कतर में हुए वर्ल्ड कप के बाद, जिसमें नीदरलैंड्स क्वार्टर-फाइनल तक पहुँचा था, वे 2023 की शुरुआत में उन्होंने बतौर कोच फिर टीम से जुड़े थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रोनाल्ड कोमैन ने कहा, 'मैंने डच नेशनल टीम के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है। हम सभी ने एक ऐसे वर्ल्ड कप का सपना देखा था जिसमें हम इतिहास रचेंगे। हम कामयाब नहीं हो पाए। इस बात से मुझसे ज्यादा निराश कोई नहीं है। नेशनल कोच के तौर पर, यह जिम्मेदारी आपकी होती है। मैंने हमेशा इसे महसूस किया है, और हमेशा करता रहूंगा। उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, पिछले कुछ सालों में मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि फुटबॉल से ज्यादा जरूरी चीजें भी हैं। फुटबॉल मेरी जिंदगी रही है, लेकिन सेहत अनमोल है।' रोनाल्ड कोमैन की कोचिंग में डच नेशनल टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कियाः उनकी अगुवाई में यूरो 2021, यूरो 2024 और 2026 वर्ल्ड कप। यूरो 2024 के दौरान, 'ऑरेंज' (डच टीम) सेमी-फाइनल तक पहुंची थी। नेशनल कोच के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में, कोमैन ने 'ऑरेंज' को 2019 में यूईएफए नेशंस लीग के फाइनल तक भी पहुंचाया था। कुल मिलाकर, वे 64 आधिकारिक इंटरनेशनल मैचों में डच नेशनल टीम के कोच रहे।

मातृ-मृत्यु और शिशु मृत्यु की नियमित समीक्षा की जायेगी कोई भी मृत्यु एनीमिया से नहीं होनी चाहिए

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि जिले में किसी भी गर्भवती माता की मृत्यु एनीमिया से नहीं होनी चाहिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक मातृ-मृत्यु और शिशु मृत्यु की डैथ आडिट उनके द्वारा नियमित रूप से की जायेगी बुधवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों और टीकाकरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि अगले सप्ताह अमरपाटन और रामनगर में ब्लाक स्तरीय अधिकारियों के साथ मैदानी स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक में जमीनी स्तर पर योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की जायेगी। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, वन मण्डलाधिकारी विद्याभूषण मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एसपी मिश्रा, दिव्या पटेल, आरती सिंह सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे स्वास्थ्य कार्यक्रमो पल्स पोलियो मीजेल्स टीकाकरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले में 1386 बच्चे हैं जिन्हें मीजेल्स का नियमित टीकाकरण नहीं हुआ है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल ए.एन.एमवार टीकाकारण की समीक्षा करें और लापरवाही बरतने वाली एएनएम की सेवा समाप्ति का प्रस्ताव दें उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर ए.एन.एम पदस्थ नहीं है वहां टीकाकरण कार्य नहीं करने वाली सीएचओ के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने महिला बाल विकास के अमले को स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से पोषण की स्थिति में सुधार लाने के निर्देश दिये नगरीय निकायों में फ्रिश पार्लर का कार्य एक हफ्ते में प्रारंभ करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को नकली खाद और बीज की सघन जांच कर संबंधित दुकानों के लायसेंस निलंबन निरस्तीकरण के साथ एफ्आईआर भी दर्ज कराने को कहा है समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में आरटीओ, सिविल सर्जन, राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्रिज कारपोरेशन सहित अन्य अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये कलेक्टर ने कहा कि सप्ताह में एक दिन बुधवार को टीएल और अन्य बैठकें होती है। उनमें भी जिला अधिकारी उपस्थित नहीं हो रहे है। ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को लिखा जायेगा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास की समीक्षा में प्रौढ शिक्षा में 47 प्रतिशत ही प्रगति आने पर कलेक्टर ने कहा कि जिला साक्षरता अधिकारी तहसील और ब्लाक लेवल पर अक्षर मित्रों के साथ बेवीनार का आयोजन करें माध्यमिक शालाओं में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए कलेक्टर ने माध्यमिक शालाओं के प्राचार्य, प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिला विकास पुस्तिका के लिए विभाग प्रमुख वांछित जानकारी और फोटो अविलम्ब प्रस्तुत करें कोई भी शिकायत किसी स्तर पर नहीं रहे नाट-अटेण्ड कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों बचाव उपकरणों की दुरुस्ती कराने, मोटर जोट की उपलब्धता की

नागौद तहसील का निरीक्षण कर कलेक्टर ने देखी व्यवस्थायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को नागौद तहसील क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने नागौद तहसील कार्यालय पहुंचकर राजस्व कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने नागौद में पटवारियों की बैठक ली जिसमें राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और रिकॉर्ड संधारण को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने हाईस्कूल चंदकुआ का निरीक्षण किया उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से सीधे संवाद किया और पठन-पाठन की गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर ने शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए इसके पश्चात कलेक्टर ने नागौद क्षेत्र के ग्राम पंचायत जसो का भी निरीक्षण किया उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलद त्रिमूर्ति महाविद्यालय नागौद के विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, तहसीलदार प्रज्ञा दुबे, सीईओ जनपद नागौद अशोक मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ~~विकसित भारत-गारंटी~~

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का हुआ सम्मान सिन्धु विकास समिति ने संत मोतीराम आश्रम में आयोजित किया सम्मान समारोह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति द्वारा संत मोतीराम आश्रम परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह अखिल भारतीय सिन्धी साधू-संत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी खिम्यादास जी के सानिध्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम में समिति के संरक्षक गोपी गेलानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी तथा जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष जेठानंद वाधवानी की उपस्थिति में डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. वी.के. गांधी, डॉ. के.एल. नामदेव एवं डॉ. नारायण त्रिपाठी को शॉल ओढ़ाकर एवं अभिनंदन-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया समारोह को संबोधित करते हुए महंत स्वामी खिम्यादास जी ने सिन्धु विकास समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए संस्था को निरंतर मानव सेवा के लिए आशीर्वाद दिया। समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने कहा कि चिकित्सक समाज के लिए भगवान का दूसरा स्वरूप हैं। उन्होंने बताया कि सम्मानित सभी डॉक्टर अपने व्यस्त समय में भी आश्रम में निस्वार्थ भाव से नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं जिससे अब तक लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान चिकित्सकों द्वारा निभाई गई सेवाओं को भी याद करते हुए उन्हें समाज का सच्चा जीवनरक्षक बताया समिति के मंत्री संजय वाधवानी ने कार्यक्रम की जानकारी दी, जबकि अभिनंदन-पत्र का वाचन जेठानंद वाधवानी ने किया। समारोह का संचालन भाई प्रह्लाद ने किया तथा आभार प्रदर्शन गोपीचंद कापड़ी ने व्यक्त किया इस अवसर पर अतुल दुबे, दिलीप सोनी,

अतिवर्षा व बाढ़ से निपटने कलेक्टर ने दिए पूर्व तैयारी के निर्देश अधिकारियों की बैठक में की समीक्षा

संभावित अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन मैहर ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी द्वारा जारी निर्देशों में सभी विभागों को सतर्क रहते हुए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की राहत आयुक्त, मध्यप्रदेश के निर्देशों के पालन में जिले में 15 जून से ही 24ग7 जिलास्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय रखने को कहा गया है इसके साथ ही बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत शिविरों के लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं कलेक्टर मैहर ने सभी विभागों को बाढ़ जानकारी तत्काल भेजने तथा आवश्यकता पड़ने पर निकटवर्ती जिलों से संसाधन एवं प्रशिक्षित टीम मंगाने के निर्देश दिए हैं बाढ़ की स्थिति में पुलिस, होमगार्ड एवं सेना के साथ समन्वय बनाकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जाएंगे। जलाशयों से जल निकासी को नियंत्रित रखने नगरीय क्षेत्रों में निचले एवं नदी-नालों के किनारे बसे अनाधिकृत बस्तियों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने तथा जर्जर भवनों को खाली कराने पर विशेष जोर दिया गया है इसके अलावा जलमग्न सड़कों और पुल-पुलियों पर चेतावनी बोर्ड एवं बैरियर लगाने, आकाशीय बिजली से बचाव हेतु दामिनी एवं सचेत एप के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं मानसून अवधि में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव के लिए विस्तृत चेकलिस्ट एवं आवश्यक संपर्क सूची भी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई

जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन

फर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी-राम-जी) के अंतर्गत 2 जुलाई 2026 को जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लांच कार्यक्रम प्रात: 11 बजे से सतना जिले के लिए जिला पंचायत सभागार सतना में तथा मैहर जिले के जनपद पंचायत अमरपाटन, मैहर एवं रामनगर के लिए ग्राम पंचायत झांझवरी जनपद पंचायत मैहर में आयोजित किया जाएगा सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने सतना एवं मैहर जिले के सभी जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा है कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्व सहायता समूहों के सदस्यों, श्रमिकों, हितग्राहियों एवं युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

आशीर्वाद ढाबे में लूटपाट का आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

मारपीट कर नगदी और मोबाइल लूटने की घटना में सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने आशीर्वाद ढाबे में मारपीट, लूटपाट और डकैती की साजिश के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर केंद्रीय जेल भेज दिया है घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है पुलिस के अनुसार 28 जून 2026 को लोहरौरा निवासी पुष्पराज दाहिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह आशीर्वाद ढाबे में कार्यरत है घटना की रात यश सिंह, कार्तिक सिंह, अरविंद सिंह उर्फ छोटू, रिशू सिंह, आदित्य सिंह तथा उनके अन्य साथी ढाबे पर पहुंचे और शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे विरोध करने पर आरोपियों ने कर्मचारी के साथ मारपीट की ढाबे में तोड़फोड़ की तथा करीब पांच हजार रुपये नगद और एक मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौरव पाण्डेय तथा नगर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक रावेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस ने दबिश देकर आरोपी कार्तिक सिंह परिहार उर्फ जानू (20), निवासी लगरगवां, थाना उचेहरा को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल सतना भेज दिया गया पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश लगातार की जा रही है और शीघ्र ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा कार्रवाई में उपनिरीक्षक राजकुमार मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक हेमराज सिंह, प्रधान आरक्षक सतेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज सहित सिटी कोतवाली थाना पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला अस्पताल में मरीजों को बांटे फल और मिष्ठान अखिल भारतीय सिंधु संत समाज ट्रस्ट ने किया सेवा कार्य, संतों ने जाना मरीजों का हालचाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अखिल भारतीय सिंधु संत समाज ट्रस्ट (रजि.) द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच फल एवं मिष्ठान वितरण कर सेवा कार्य संपन्न किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों का उत्साहवर्धन करना तथा मानव सेवा का संदेश देना था सेवा अभियान में ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य स्वामी खिम्यादास जी महाराज एवं प्रदेश उपाध्यक्ष महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे दोनों संतों ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों का कुशलक्षेम जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद कर उनका मनोबल भी बढ़ाया इस अवसर पर संतों ने कहा कि पीड़ित, असहाय एवं रोगग्रस्त लोगों की सेवा ही सच्ची मानवता और ईश्वर की वास्तविक उपासना है उन्होंने कहा कि सेवा, करुणा और संवेदना ही समाज को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हंसदास जी ने बताया कि संस्था निरंतर जनसेवा के कार्यों में सक्रिय है उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं स्वास्थ्य संकटों एवं अन्य कठिन परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों को भोजन, दवाइयां और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना ट्रस्ट की प्राथमिकताओं में शामिल है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सेवादारों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और मरीजों व उनके परिजनों के बीच फल एवं मिष्ठान वितरित किए। इस सेवा अभियान ने अस्पताल परिसर में सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया तथा समाज को यह संदेश दिया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

जन आंदोलन बन कर 7 करोड़ परिवारों तक पहुंचा जल गंगा संवर्धन अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान ने जनभागीदारी का रचा नया इतिहास, सोशल मीडिया पर मिली वैश्विक पहुंच

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुख्य उद्देश्यों के साथ संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के साथ देश और विदेश के लगभग 7 करोड़ परिवारों तक अपनी पहुंच बनाकर जनभागीदारी का एक नया इतिहास रच दिया है आगामी मानसून में कम वर्षा की संभावना को देखते हुए पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के दूरदर्शी उद्देश्य से शुरू हुआ यह महा अभियान 30 जून 2026 को भव्यता के साथ संपन्न हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दृढ़ संकल्प से यह अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर एक विराट वैश्विक जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है इस महाअभियान को सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला ट्विटर (एक्स), फेसबुक इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के आधिकारिक माध्यमों द्वारा प्रतिदिन जागरूकता पोस्टर, लघु फिल्में और इन्फोग्राफिक्स साझा किए गए। जल-गंगा-संवर्धन-अभियान रुजल-है-तो-कल-है रैंजमतब्वदेमतअंजपवद और रैंअमैंजमत जैसे हैशटैग्स के माध्यम से प्रदेश और देश के कोने-कोने तक जल संरक्षण का संदेश फैला जिससे कुल 6 करोड़ 95 लाख 74 हजार 820 से अधिक लोगों तक इस अभियान की डिजिटल पहुंच सुनिश्चित हो सकी और लोग जल स्रोतों को सहेजने की मुहिम से सीधे जुड़े मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सतत मॉनिटरिंग और विशेष डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से अभियान में पूरे राज्य में रिकॉर्ड स्तर पर कार्य किए गए प्रदेश भर में 10,514 करोड़ रुपये की लागत से 3 लाख 63 हजार से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और जीर्णोद्धार के कार्य पूर्ण किए गए भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड समय में 67,708 खेत-तालाब 225 अमृत सरोवर और 97,614 कूप रिचार्ज संरचनाएं तैयार की गईं। इसके अलावा 10,000 से अधिक कुओं, नदियों और प्राचीन बावड़ियों की सफाई व सौंदर्यीकरण कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया गया इन प्रामाणिक कार्यों की बदौलत मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर श्रमदान किया और समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया 19 मार्च 2026 को इंदौर से इसके तीसरे चरण की शुरुआत करने से लेकर धार में देवी सागर तालाब के गहरीकरण उज्जैन में शिप्रा तीर्थ परिक्रमा भोपाल के श्सदानीरा समागमश् और राजगढ़ में आयोजित समापन समारोह तक उन्होंने सक्रिय सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प दोहराया कि जल है तो कल है और सरकार इसे सहेजने के लिए पूरी तरह कृत संकल्पित है, इसलिए जल संरक्षण के कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। अभियान के समापन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण अभियान और 1 जुलाई से विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन का भी भव्य शुभारंभ किया गया।

जंगल से 1050 किलो महुआ लाहन बरामद, पुलिस ने किया नष्ट

ताला थाना पुलिस की कार्रवाई अवैध शराब कारोबार पर कसा शिकंजा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ताला थाना पुलिस ने अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम मुकुंदपुर के जंगल से लगभग 1050 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया। कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक महेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में की गई पुलिस के अनुसार 1 जुलाई को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि मुर्जुआ नदी किनारे जंगल में अवैध शराब बनाने के लिए बड़ी मात्रा में महुआ लाहन छिपाकर रखा गया है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार चौकी प्रभारी मुकुंदपुर उपनिरीक्षक नागेश्वर मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घने जंगल में सघन तलाशी अभियान चलाया तलाशी के दौरान झाड़ियों और प्राकृतिक आड़ में छिपाकर रखे गए 70 प्लास्टिक डिब्बे बरामद हुए जांच में इनमें लगभग 1050 किलोग्राम महुआ लाहन पाया गया जिसका उपयोग अवैध शराब निर्माण में किया जाना था आबकारी एवं पुलिस नियमों के तहत पूरी सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों को अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री से दूर रहने की समझाइश दी और चेतावनी दी कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से ऐसी कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।